Año LV. Habana.---Domingo 27 de Mayo de 1894.—San Juan I y san Ranulfo. Número 124.

DIARIO DE LA MARINA.

ORGANO OFICIAL DEL APOSTADERO DE LA HABANA

EDICION DE LA MAÑANA.

Real Lotería de la Isla de Cuba.

Sorteo ordinario número 1,474.—Lista de los números premiados en dicho sorteo, celebrado en la Habana el 26 de mayo de 1894.

Núms.	Premios	Núms.	Premios	Núms.	Premios
Centena.		4682	100	9156	100
30	100	4683	100	9268	100
40	100	4698	100	9296	100
42	100	4725	100	9392	100
128	100	4737	1000	9411	100
270	100	4756	100	9428	100
286	1000	4765	100	9473	100
319	100	4799	100	9484	100
354	100	4854	100	9491	100
374	100	4866	100	9513	100
410	100	4880	100	9566	100
466	100	4915	100	9592	100
495	100	4952	100	9620	100
521	1000	4957	100	9656	100
542	100	4965	100	9674	100
547	100			9688	100
595	100	Cinco mil.		9703	100
599	100	5004	500	9732	100
604	100	5033	100	9739	100
611	100	5044	100	9750	100
616	100	5068	100	9770	100
619	100	5070	100	9787	100
676	100	5071	100	9812	100
683	100	5087	100	9825	100
700	100	5127	100	9864	100
704	100	5187	100	9893	100
708	100	5212	100	9943	100
717	100	5265	100	9996	100
720	100	5331	100		
721	100	5341	100	Diez mil.	
792	100	5356	100	10013	100
886	500	5372	100	10083	100
897	100	5401	100	10159	100
937	100	5460	100	10170	100
963	100	5462	100	10207	100
968	100	5466	100	10253	100
973	100	5512	100	10254	100
976	100	5546	100	10312	100
989	100	5622	100	10348	100
		5626	100	10463	100
Un mil.		5737	100	10465	500
1011	100	5738	100	10504	100
1014	100	5781	100	10510	100
1040	100	5782	100	10521	100
1042	100	5792	100	10588	100
1043	100	5818	100	10597	100
1047	100	5838	100	10608	100
1055	100	5854	100	10629	100
1069	100	5857	100	10637	100
1071	100	5923	100	10641	100
1092	100	5942	100	10643	100
1106	100	5945	100	10652	100
1151	100	5947	100	10661	100
1163	100	5982	100	10675	100
1206	100	5988	100	10694	100
1267	100	5996	100	10728	100
1329	100			10754	100
1353	100	Seis mil.		10766	100
1396	100	6013	100	10775	100
1434	100	6018	100	10781	100
1461	500	6027	500	10812	100
1480	100	6056	100	10848	100
1507	100	6060	100	10858	100
1513	100	6092	100	10907	100
1528	100	6113	100	10912	100
1534	100	6124	100	10959	100
1536	100	6222	100	10961	100
1555	100	6255	100	10971	100
1577	100	6256	100	10984	100
1630	100	6261	100	10992	100
1631	100	6263	100		
1632	100	6335	100	Once mil.	
1641	5000	6364	100	11033	100
1644	100	6408	100	11093	100
1647	100	6455	100	11129	100
1683	100	6467	100	11142	100
1690	100	6495	100	11144	100
1718	100	6500	100	11160	100
1759	100	6504	100	11201	100
1792	100	6531	100	11248	500
1797	100	6560	100	11261	100
1799	100	6565	100	11272	100
1809	100	6571	100	11281	100
1812	100	6580	100	11329	100
1917	100	6593	100	11373	100
1952	100	6651	100	11399	100
1961	100	6687	100	11403	100
1974	100	6695	100	11413	100
1981	100	6701	100	11423	100
1990	100	6734	100	11430	100
		6782	100	11432	100
Dos mil.		6860	100	11496	100
2018	100	6955	100	11514	100
2036	100	6975	100	11516	100
2055	100	6991	100	11560	100
2076	100			11563	100
2090	100	Siete mil.		11575	100
2151	100			11581	100
2156	100	7008	100	11583	100
2172	100	7046	100	11639	100
2201	100	7071	100	11673	100
2243	100	7080	500	11693	100
2249	100	7093	100	11710	100
2287	100	7116	100	11719	100
2311	100	7131	100	11732	100
2324	100	7150	100	11752	100
2327	100	7160	100	11787	100
2353	100	7169	100	11794	100
2365	100	7251	100	11822	100
2392	100	7258	100	11902	100
2394	100	7273	100	11913	100
2442	100	7296	100	11952	100
2514	100	7304	100		
2545	100	7314	100	Doce mil.	
2576	100	7316	100		
2676	100	7359	100	12006	100
2721	100	7379	100	12034	100
2742	100	7398	100	12062	100
2820	100	7406	100	12072	100
2899	100	7421	100	12090	100
2972	100	7447	100	12094	100
2986	100	7455	100	12114	100
		7462	100	12133	100
Tres mil.		7467	100	12220	1000
3119	100	7480	100	12273	100
3129	100	7590	100	12276	100
3150	100	7617	100	12283	100
3157	100	7620	100	12298	100
3159	100	7658	100	12299	100
3168	500	7694	100	12385	100
3203	100	7741	100	12420	100
3213	100	7757	100	12453	100
3220	100	7783	100	12569	100
3240	100	7791	100	12552	100
3244	100	7827	100	12628	100
3260	100	7839	100	12656	100
3309	100	7881	100	12687	100
3320	100	7930	100	12713	100
3331	100	7980	100	12727	100
3343	100	7991	100	12754	100
3346	100			12756	100
3383	100	Ocho mil.		12837	100
3402	100			12852	100
3438	100	8004	100	12944	100
3455	100	8020	100	12992	100
3456	100	8084	100	12995	100
3461	100	8110	100		
3532	100	8136	100	Trece mil.	
3536	100	8161	100	13013	100
3553	100	8169	100	13018	100
3570	100	8172	100	13019	100
3585	100	8182	100	3045	100
3591	100	8186	100	13050	100
3605	100	8218	100	13080	100
3617	100	8224	100	13092	100
3648	100	8261	100	13115	500
3653	100	8300	100	12126	100
3665	100	8314	100	13130	100
3692	100	8375	100	13131	100
3710	100	8382	100	13148	100
3758	100	8418	100	13150	100
3789	100	8426	100	13158	100
3802	100	8469	100	13181	100
3847	100	8527	100	13183	100
3886	100	8595	100	13190	100
3909	100	8607	100	13211	100
3940	100	8645	100	13231	100
3959	100	8657	100	13236	100
3983	100	8658	100	13314	100
		8687	100	13360	100
Cuatro mil.		8729	100	13381	100
		8738	500	13454	100
4105	100	8753	100	13482	100
4128	100	8756	500	13514	100
4187	100	8775	100	13547	100
4197	100	8781	100	13569	100
4235	100	8814	100	13605	100
4354	100	8850	100	1.635	100
4359	100	8875	100	13699	100
4363	100	8882	100	13765	100
4389	100	8945	100	13770	100
4396	100			13775	100
4397	100	Nueve mil.		13843	100
4402	100			13869	100
4441	100	9015	100	13878	100
4481	100	9021	100	13913	100
4486	100	9045	100	13930	100
4499	100	9096	100	10938	100
4553	100	9120	100	13960	100
4575	100	9145	100	13962	100

Núms.	Premios	Núms.	Premios.	Núms.	Premios.
13964	100	17276	100	20690	100
13970	100	17319	100	20716	100
13997	100	17316	100	20729	100
		17318	100	20776	100
Catorce mil.		17345	100	20817	100
		17360	100	20833	100
14009	100	17408	100	20850	100
14014	100	17425	100	2 854	100
14039	100	17453	100	20918	100
14041	100	17493	100	20923	100
14072	100	17516	100	20986	100
14090	100	17560	100	20987	100
14093	100	17588	100		
14107	100	17611	100	Veintiun mil.	
14135	100	17632	100	21020	100
14149	100	17747	100	21034	5000
14184	100	17751	100	21157	100
14202	100	17757	100	21246	100
14203	100	17786	100	21269	100
14231	100	17790	100	21346	100
14234	100	17799	100	21422	100
14245	500	17838	100	21449	100
14253	100	17857	100	21496	100
14270	100	17901	100	21484	100
14278	100	17933	100	21493	100
14280	100	17963	100	21510	100
14327	100	17964	100	21512	100
14421	100			21515	100
14440	100	Dieciocho mil.		21549	100
14515	100			21552	100
14518	100	18036	100	21605	100
14525	100	18050	100	21622	100
14540	100	8052	100	21774	100
14548	100	18073	100	21806	100
14549	100	18094	100	21811	100
14567	100	18174	100	21837	100
14722	100	18180	100	21928	100
14858	100	18243	100	21933	100
14881	100	18211	100	21962	100
14885	100	18248	500		
14889	100	18276	50000	Veintidos mil.	
14917	100	18307	100		
14918	100	18345	100	22010	100
14945	100	18379	100	22038	100
14962	100	18441	100	22058	100
14966	100	18503	100	22061	100
14980	100	18521	100	22075	100
		18537	100	22084	100
Quince mil.		18560	100	22116	100
		18569	100	22123	100
15014	100	18578	100	22166	100
15050	100	18616	100	22177	100
15067	100	18634	500	22190	100
15075	100	18638	100	22202	100
15103	100	18680	100	22209	100
15118	100	18692	100	22212	100
15122	100	18712	100	22289	100
15142	100	18748	100	22330	500
15156	100	18807	100	22372	100
15170	100	18845	100	22375	1000
15174	100	18864	100	22385	100
15202	100	18870	100	22459	100
15248	100	18875	10000	22460	100
15249	100	18945	100	22482	100
15263	100	18959	100	22484	100
15279	100	18962	100	22491	100
15323	100	18969	100	22493	100
15439	100	18988	100	22500	100
15450	100	18995	100	22506	100
15465	100			22507	100
15539	100	Diez y nueve mil.		22535	100
15569	100	19019	100	22549	100
15682	100	19030	100	22608	100
15686	100	19059	100	22611	100
15696	5000	19043	100	22634	100
15713	100	19045	100	22659	100
15870	100	19052	100	22695	100
15899	100	19060	100	22758	100
15913	100	19080	100	22771	100
15914	100	19099	100	2 783	100
15932	100	19108	100	22797	100
		19109	100	22804	100
Diez y seis mil		19115	100	22841	100
		19235	100	22857	100
16027	100	19262	100	22867	100
16055	100	19309	100	22896	100
16073	100	19352	100	22947	100
16100	100	19371	100		
16103	100	19390	500	Veintitres mil.	
16106	100	19455	100		
16141	100	19481	100	23026	100
16150	100	19493	100	23044	100
16167	100	19497	100	23051	100
16235	100	19847	100	23080	100
16256	100	19659	100	23089	100
16291	100	19684	100	23097	100
16297	100	19751	100	23129	100
16323	100	19779	100	23145	100
16424	100	19831	100	23176	100
16473	100	19859	100	23179	100
16518	100	19883	100	23194	10
16574	100	19898	100	23241	100
16642	100	19926	100	23310	100
16662	500	19927	1000	23313	100
16683	100	19946	100	23383	100
16696	100	19961	100	23415	100
16714	100			23427	100
16765	1000	Veinte mil.		23484	100
16788	100			23505	100
16803	100	20011	100	23511	100
16810	100	20022	100	23534	100
16812	100	20054	100	23581	100
16910	500	20097	100	23597	100
16996	100	20105	100	23601	100
16999	100	20128	500	23604	100
		20155	100	23679	100
Diecisiete mil.		20158	100	2 712	1000
		20217	100	23726	100
17022	100	20351	500	23735	100
17025	100	20353	100	23739	100
17030	100	20386	100	23775	100
17085	100	20460	100	23793	100
17113	100	20469	100	23826	100
17126	100	20508	100	23866	100
17139	100	20509	100	23879	100
17180	100	20514	100	23886	100
17198	100	20516	100	23900	100
17201	100	20529	100	23906	100
17267	100	20688	100	23917	100

Aproximaciones á los números anterior y posterior el premio de 50,000 pesos.

18275	500	18277	500

Aproximaciones á los números anterior y posterior el premio de 10,000 pesos.

18874	200	18876	200

PAGOS DE PREMIOS.

Desde el martes 29 del corriente mes, se satisfarán por la Caja de esta oficina, de once de la mañana á los de la tarde, en la inteligencia de que dos días hábiles antes del sorteo se suspenderán, con objeto de formalizar las operaciones.

SIGUIENTE SORTEO, EN ORO:

Ordinario, se verificará el día 5 de Junio constando de 24,000 billetes á $10, distribuyéndose los premios en la forma siguiente:

Premios.	*Pesos oro.*
1 de	$ 50.000
1 de	„ 10.000
3 de $5.000	„ 15.000
8 de „ 1.000	„ 8.000
18 de „ 500	„ 9.000
866 de „ 100	„ 86.600
2 aproximaciones para los números anterior y posterior al primer premio á $500	„ 1.000
2 aproximaciones para los números anterior y posterior al segundo premio á $200	„ 400
901 premios	$ 180.000

Telegramas por el cable.

SERVICIO TELEGRAFICO DEL

Diario de la Marina.

EL DIARIO DE LA MARINA.

HABANA.

TELEGRAMAS DE ANOCHE.

Madrid, 26 de mayo.

Es todavía aventurado adelantar ninguna noticia sobre los detalles del proyecto de Presupuestos generales para la isla de Cuba que está ultimando el señor Ministro de Ultramar, por haber surgido dificultades sobre algunos extremos de capital importancia de los que abarca el referido proyecto de presupuestos; entre otros los relativos al consumo de ganado, á la importación en Cuba de vinos españoles y al impuesto industrial sobre el tabaco.

Aún se ignora la resolución que adoptará el Gobierno sobre cada uno de dichos extremos. Probablente la anunciará en un término breve y de un modo definitivo el señor Ministro de Ultramar.

Lo que se sabe de un modo positivo es que se mantendrá el impuesto de diez y cinco centavos sobre los azúcares y mieles.

Madrid, 26 de mayo.

Se han reunido los Senadores y Diputados de Unión Constitucional de Cuba acordando pedir la supresión de los derechos de exportación al tabaco, como compensación, que se fije el 15 por 100 de derechos arancelarios á las procedencias de la Península, que continúen los Ayuntamientos cobrando el impuesto sobre el consumo de ganado, y que no se supriman los derechos arancelarios sobre los vinos españoles. Colócanse en actitud belicosa respecto á los presupuestos generales de Cuba hasta conocerlos, recobren su libertad de acción rompiendo su actitud benévola respecto al Gobierno.

Madrid, 26 de mayo.

En Gijón ha hecho explosión la caldera del vapor noruego "Norden". Murieron el maquinista, un camarero y tres fogoneros.

Madrid, 26 de mayo.

Las libras esterlinas, á la vista, se cotizaron hoy en la Bolsa á 30-57 pesetas.

Nueva York, 26 de mayo.

Comunican de Denver, Estado de Colorado, que en Niettle ha habido una escena sangrienta provocada por los mineros en huelga.

Cerca de Cripple Creek les delegados del gobierno en un choque con los mineros les han causado á estos 3 muertos.

París, 26 de mayo

Mr. Grisson, llamado por Mr. Sadi Carnot, para encomendarle la formación de Ministerio, ha rehusado el encargo.

Mr. Dupuy, presidente de la Cámara, ha accedido por fin á encargarse de formar ministerio.

Roma, 26 de mayo.

Ha causado gran sensación en esta ciudad, la noticia de que se habían extraviado todos los documentos de la oficina del fiscal que entiende en la causa contra los directores de la "Banca Romana." Se supone que han sido robados.

TELEGRAMAS COMERCIALES.

Nueva-York, mayo 25, á las 5½ de la tarde.

Harinas españolas, á $15.70.
Centenes, á $4.83.
Descuento papel comercial, 60 div., de 3½ á 4 por ciento.
Cambios sobre Londres, 60 div. (banqueros), á $4.874.
Idem sobre París, 30 div. (banqueros), á 5 francos 18¾.
Idem sobre Hamburgo, 60 div. (banqueros), á 95¼.
Bonos registrados de los Estados-Unidos, á por ciento, á 114½, ex-cupón.
Centrífugas, n. 10, pol. 96, á 2 13/16.
Regular á buen refino, de 2 7/16 á 2 9/16.
Azúcar de miel, de 2 3/16 á 2 5/16.
Miel de Cuba, en bocoyes, nominal.
El mercado, sostenido.
Manteca del Oeste, en tercerolas, á $10.40.
Harina patent Minnesota, $4.10

Londres, mayo 25.

Azúcar de remolacha, firme, á 11¼d.
Azúcar centrífuga, pol. 96, á 14½.
Idem regular refino, á 11½.
Moscabado, á 12.
Consolidados, á 101 3/16, ex-interés.
Descuento, Banco de Inglaterra, 2½ por 100.
Cuatro por ciento español, á 64¾, ex-interés.

París, mayo 25.

Renta, 3 por ciento, á 100 francos 65 cts., ex-interés.

(Queda prohibida la reproducción de los telegramas que anteceden, con arreglo al artículo 31 de la Ley de Propiedad Intelectual.)

MERCADO DE AZUCARES.

Mayo 26 de 1894.

La situación general de nuestro mercado azucarero ha ofrecido aspecto mucho más favorable para los vendedores al cerrar el período de la presente semana, á pesar de que nuestros principales compradores no han variado su actitud ni modificado sus estrechos límites. En cambio el centro regulador acusa firmeza y ante la probabilidad de que su natural influencia se deje sentir en el mercado americano, se ha acentuado en esta plaza el deseo de operar, levantando los precios en una pequeña fracción y efectuándose las operaciones que á continuación reseñamos.

CENTRÍFUGAS DE GUARAPO

Ingenios varios.

4000 sacos número 11, polarización 96½ á 5.08.

En Matanzas.

Ingenios varios.

2000 sacos número 11, polarización 96, á 5.30.

En Cárdenas.

Ingenio Santa Gertrúdis.

5000 sacos número 11, polarización 96, á 5¼.

En Sagua.

Ingenios varios.

2000 sacos número 10, polarización 96, á 5⅛.

En Cienfuegos.

Ingenios varios.

5000 sacos número 11, polarización 96, á 5.32.

NOTICIAS DE VALORES.

		Compradores.	Vendedores.
		Valor.	P. %
FONDOS PUBLICOS			
Oblig. Ayuntamiento á Hipotecas		85	á 100
Obligaciones Hipotecarias del Excmo. Ayuntamiento		67½	á 68
Billetes Hipotecarios de la Isla de Cuba		90	á 100
ACCIONES.			
Banco Español de la Isla de Cuba		71	á 75
Banco Agrícola		Nominal.	
Banco del Comercio			
Ferrocarriles Unidos de la Habana y Almacenes de Regla		80½	á 81
Compañía de Caminos de Hierro de Cárdenas y Júcaro		104½	á 106
Compañía Unida de los Ferrocarriles de Caibarién		88	á 96½
Compañía de Caminos de Hierro de Matanzas á Sabanilla		103½	á 106
Compañía de Caminos de Hierro de Sagua la Grande		99	á 104
Compañía de Caminos de Hierro de Cienfuegos á Villaclara		78	á 80½
Compañía del Ferrocarril Urbano		102½	á 105
Compañía del Ferrocarril del Oeste		61	á 63
Compañía Cubana de Alumbrado de Gas		Nominal.	
Bonos Hipotecarios de la Compañía de Gas Consolidada		54½	á 56½
Compañía de Gas Hispano-Americana Consolidada		24	á 26
Compañía de Almacenes de Santa Catalina		Nominal.	
Señoría de Aldaz de Cárdenas		20	á 35
Compañía de Almacenes de Hacendados		18	á 40
Empresa de Fomento y Navegación del Sur		15	á 60
Compañía de Almacenes de Depósito de la Habana		Nominal.	
Obligaciones Hipotecarias de Cienfuegos y Villaclara		Nominal.	
Bad Telefónica de la Habana		Nominal.	
Crédito Territorial Hipotecario de la Isla de Cuba		Nominal.	
Compañía Loja de Veve		Nominal.	
Ferrocarril de Gibara y Holguín: Acciones		Nominal.	
Obligaciones		Nominal.	
Ferrocarril de San Cayetano á Vilbajana: Acciones		Nominal.	
Obligaciones		Nominal.	

Habana, 26 de Mayo de 1894.

SE OFICIO.

GOBIERNO MILITAR DE LA PROVINCIA Y PLAZA DE LA HABANA.

ANUNCIO.

La Sra. Dª Dolores Urgellés, viuda del Comandante D. Ambrosio Echavarría y Salaverri, se presentará en este Gobierno Militar, en día y hora hábil, para enterarla de un asunto que la interesa.

Habana, 25 de Mayo de 1894.—El Comandante Secretario, *Mariano Martí.* 3-27

El recluta de la Zona Militar de Málaga, con residencia en esta Isla, Juan Gómez Aguilar, se servirá presentarse en la Secretaría de este Gobierno Militar, en día y hora hábil, para enterarle de un asunto que le interesa.

Habana, 25 de Mayo de 1894.—El Comandante Secretario, *Mariano Martí.* 3-27

Los individuos que á continuación se expresan, y cuyo domicilio se ignora, se presentarán en el Gobierno Militar de esta Plaza, el día 28 del corriente, de dos á cuatro de la tarde, para enterarles de un asunto que les interesa.

Pantaleón Esteba Sayols.
Antonio Bueno Torres.
José Llenia Pelín.
Martín Arta Elguezabal.
José Roca Viadé.
José Madrones López.

Habana, 25 de Mayo de 1894.—El Comandante Secretario, *Mariano Martí.* 3-27

Sección Mercantil.

PUERTO DE LA HABANA.

SALIDAS.

Día 26:

Para Cayo Hueso y Tampa, vapor amer. Mascotte, cap. Hanlon.
—Veracruz y escalas, vapor-correo esp. Ciudad Condal, pat. Roses.
—Nueva York, vap. amer. Vigilancia, capitán Mc Intosh.

Movimiento de pasajeros.

SALIDRON.

Para CAYO-HUESO y TAMPA, en el vapor amer. *Mascotte:*

Sres. D. José Sells—José Rodríguez—Francisco García—José Barandiarán—Manuel Barandiarán—Antonio Pouvert—Elías L. Pouvert—Juan Fister—Paulina Placeres é hijo—Francisco Montero—Joaquín Padrón—Manuel S. Ruiz—Merc-es Díaz—María Díaz—Anselmo Auleté hijo—José M. Entralino—José Suárez—Felipe Allende—Manuel de Pablo—Juan S. de la Torre.

Para VERACRUZ y escalas, en el vapor correo español *Ciudad Condal:*

Sres. D. Francisco Sancha é hijo—Andrés Marín—Juan Vázquez é hijo—Bernardo Cenana—José Ramírez—Manuel Rasón—Eduardo Marín—Rafaela Otero—Mauricio Caballero—Alejo Acuña.

Entradas de cabotaje.

Día 26:

De Morrillo, gta. Feliz, pat. González, con 300 sacos azúcar.
—Morrillo, gta. Joven Marcelino, pat. Espino, con 550 sacos azúcar.
—Ortigosa, goleta Dolorita, pat. Colomas, con 440 sacos azúcar.
—Sierra Morena, gol. Sofía, pat. Escoñat, con 450 sacos azúcar.
—Granadillo, gol. Aguila, pat. Mayans, con 1,500 postes.
—Congojas, gol. Joven Victoria, pat. Padrón, con 800 sacos azúcar.
—Sagua, vap. Clara, cap. Larragan, con 638 sacos azúcar y 20 pipas aguardiente.

Despachados de cabotaje.

Día 26:

Para Mantua, gol. Lince, pat. Roman.
—Manuel, gol. J. Gertrudis, pat. Palmer.
—Ría de la Palma, gol. J. Herminia, patrón Ferrer.
—Congojas, goleta Joven Victoria, patrón Padrón.
—Morrillo, goleta Joven Marcelino, pat. Espino.
—Morrillo, gol. Feliz, pat. González.
—Cabañas, gol. Victoria, pat. Tortell.

Buques que se han despachado.

Para Cayo-Hueso y Tampa, vapor amer. Mascotte, cap. Hanlon, por Lawton y Hnos: con 170 tercios tabaco; 300 barriles piñas y efectos.
—Nuevo-Orleans, vía Manzanillo, vapor americano Whitney, cap. Staples, por Galbán, Río y Cp.: con 11 tercios tabaco; 97,800 tabacos torcidos; 200 cajetillas cigarros y efectos.
—Delaware, (B. W.) gol. amer. George H. Ames, cap. Marshall, por J. Balcells y Cpa: con 4,050 sacos azúcar.

Buques que han abierto registro ayer.

Para Coruña, Barcelona y escalas, vap. esp. Conde Wifredo, cap. Andraca, por Loychate, Saenz y Comp.
—Puerto-Rico, Coruña y Santander, vapor-correo esp. Alfonso XII, cap. San Emeterio, por M. Calvo x Comp.
—Puerto-Rico y escalas, vapor-correo esp. M. L. Villaverde, cap. Marroch, por M. Calvo y Cp.
—Delaware, (B. W.) gol. amer. J. F. Coldge, cap. Bragdon, por J. Balcells y Comp.

Pólizas corridas el día 25 de mayo.

Azúcar, sacos	35.762
Azúcar, barriles	19
Tabaco, tercios	181
Tabacos torcidos	214.825
Cajetillas cigarros	110.930
Aguardiente, cascos	382
Piñas, barriles	5.800

Extracto de la carga de buques despachados.

Azúcar, sacos	4.050
Tabaco, tercios	181
Tabacos torcidos	97.500
Cajetillas cigarros	200
Piñas, barriles	300

LONJA DE VIVERES.

Ventas efectuadas el día 26 de Mayo.

50 barriles frijoles blancos americanos, $5-31 qtl.
800 s. maíz americano, $1-36 qtl.
400 canastos cebollas, $2 qtl.
68⅜ manteca Palma, $8 qtl.
40 c. latas manteca Palma, $9-75 qtl.
42 c. ½ idem idem, $10-25 qtl.
35 c. ¼ idem idem, $10-75 qtl.
10⅜ jamones California, $5 qtl.
50 s. habichuelas chicas gallegas, $2-75 qtl.
200 c. ½ latas salsa tomate $1-31½ dna. latas.
100 s. alfecha americana, $1-35 qtl.
50 c. bacalao Noruega, $7-25 qtl.
50 c. botellas vino de mesa Cepa Francesa, $3-25 caja.
150 barriles ½ tarros cerveza T. Tropical, $10-50 barril neto.
200 idem ½ idem idem, P. B, $10-50 id. id.
150 c. pasas lechos, $1-50 c.
50 c. idem en grano, $1-50 c.

REVISTA COMERCIAL.

Habana, 26 de Mayo de 1894.

IMPORTACION.

ACEITE DE OLIVAS.—Precios firmes. Cotizamos de 19 y 19½ rs. ar. por latas de 23 y de 9 libras de 20 á 20½ rs. ar.

ACEITE REFINO.—Nacional. Con moderada demanda; existencias buenas, cotizamos el en latas de 23

HABANA

DOMINGO 27 DE MAYO DE 1894.

PARTIDO REFORMISTA.

ELECCION PARCIAL
PARA UN DIPUTADO A CORTES
POR EL DISTRITO DE COLÓN.
CANDIDATO:
Iltmo. Sr. D Eduardo Dolz.

Elección parcial de un Senador
POR LA
PROVINCIA DE MATANZAS.
CANDIDATO:
Excmo. Sr. Conde de Galarza.

SERIEDAD POLITICA.

Ayer, en las primeras horas de la tarde, recibimos el siguiente telegrama de Colón:

"DIARIO DE LA MARINA.
Habana.

Colón 26 mayo, 11.15 m.

Retraimiento conservadores falso, pues estos siguen trabajando por su candidato.

Anoche celebraron una reunión los reaccionarios de esta villa, y ahora están reunidos en banquete, con asistencia de los presidentes de sus Comités. Preside banquete Conde Macurijes.

Los compromisarios nombrados hoy por el Ayuntamiento para la elección de un Senador por esta provincia, que ha de efectuarse domingo 3 junio, resultaron todos reformistas.

El Corresponsal."

La Directiva del Partido adopta el retraimiento; el Secretario anuncia el acuerdo, y el candidato.... ¿se somete? no; sigue luchando.

Decimos esto para que se advierta la disciplina que reina en la GRAN AGRUPACIÓN y el respeto que merecen á los afiliados las órdenes del poder director.

Por lo demas, nos alegramos de la actitud del señor Conde de Macurijes, la cual es posible que haya sido adoptada por consejo de sus mismos jefes, quienes están tan maltrechos, que ya no debe importarles que públicamente se desobedezcan sus mandatos; y nos alegramos, tanto porque ese hecho evidencia la anarquía que impera en las filas de nuestros adversarios, cuanto porque nos costaba trabajo resignarnos á obtener un triunfo sin lucha.

La victoria de nuestro querido amigo el señor Dolz y la del partido Reformista, será más completa luchando enfrente del candidato conservador; y éste y el grupo á que pertenece, evidenciarán de ese modo, mejor que adoptando el retraimiento, su carencia de fuerzas y su falta absoluta de apoyo en la opinión pública.

Aunque los enemigos declarados de las reformas vienen dando pruebas desde hace ya bastante tiempo de notoria inhabilidad política, pues se les ocurre á cada paso adoptar actitudes y procedimientos que antes les causan daño que les producen beneficio, nos resistimos, sin embargo, á creer que la contradicción que resulta entre el retraimiento acordado por la Directiva de Unión Constitucional y la actitud de lucha del señor Conde de Macurijes, sea resultado de un plan preconcebido para sorprender á nuestros correligionarios y amigos de Colón. El recurso es tan primitivo como inocente, y tan inocente como ineficaz, pues cuantos apoyen á nuestro candidato, bien lo hagan por sacar triunfantes de las urnas las soluciones del partido Reformista, bien por contribuir á la derrota de los enemigos de la política liberal y de concordia, bien por ambas cosas á la vez, no han de dejarse sorprender por tan ridícula extratajema. Saben perfectamente que la victoria en una elección, sobre todo en una elección en que las personas sirven de encarnación á las ideas, no depende solo del triunfo de determinado candidato, sino, además, del número de sufragios que en su favor se emitan; y en ese sentido, haya ó no haya lucha, acudirán á los comicios para votar al Sr. Dolz cuantos simpaticen con las soluciones del partido Reformista, en lo que tienen éstas de rectificación á la política colonial seguida en esta Antilla durante los últimos años.

Si nuestros adversarios de la extrema derecha se proponen por ese medio adormecer nuestras fuerzas y separar de éstas á cuantos están dispuestos á impedir legalmente el triunfo del candidato de Unión Constitucional, repetimos que pierden lastimosamente el tiempo. Los que apoyan la candidatura del Sr. Dolz están sobre aviso y no se dejarán sorprender. Lo único que sucederá es que nuestros contradictores verán amenguado, aun más de lo que lo está, su prestigio político ante la opinión, por adoptar acuerdos, ora dictados con el propósito de no cumplirlos, ora desobedecidos por los que están en el deber de acatarlos; sin que ni aun á esa costa logren impedir ni amenguar la victoria del partido Reformista.

INCONVENIENCIAS.

No de otra suerte deben calificarse ciertas frases contenidas en un artículo que *La Unión* publicó ayer tarde con el título de *Balance del viaje*, y con la deplorable intención de zaherir y ofender al pundonoroso general Calleja. ¿Creerá el órgano doctrinal justificar así el título de gubernamental que á su partido atribuye?

Califica de inútil y extemporáneo el viaje del Gobernador General por las provincias que este ha visitado; pero no puede desconocerse que era, no ya un derecho, sino tambien un deber en el general Calleja, enterarse por sí mismo de las necesidades del país, cuya administración le está confiada, y del estado de la opinión pública. Si este doble objeto se ha conseguido, no cabe calificar el viaje como inútil y extemporáneo.

La indicación de que el Gobernador General iba de una á otra población para provocar agasajos que oponer á la idea de que el Ministro de Ultramar pensara relevarlo, y la afirmación de que el general Calleja debía estar convencido de que era, en principio, un Gobernador General relevado ó dimisionario, prueban hasta qué punto pueden llegar el despecho, la ofuscación y las pasiones. El general Calleja vino á esta Isla, nombrado por el Gobierno de S. M. para ejercer su alto cargo y con instrucciones del señor Maura, Ministro de Ultramar entonces. Cuando se efectuó la última modificación ministerial, el señor Calleja ofreció su dimisión por motivos de delicadeza personal, sin embargo de que, fuera de un reducido cambio de personal en determinados ministerios, la situación política continuaba siendo la misma, siempre bajo la presidencia del señor Sagasta, siempre inspirada en el espíritu de reforma que caracterizó al anterior Gabinete. Pero la dimisión no fué aceptada ni al General Calleja, ni al Intenente Moral, ni al Gobernador Barrios; y el Sr. Becerra, nuevo Ministro de Ultramar, se apresuró á comunicar á esos funcionarios, y de una manera muy expresiva y cariñosa al Gobernador General, que merecían su confianza en absoluto y que les rogaba que continuasen en sus puestos. Este y otros datos demuestran que la dirección de la política ultramarina del Gabinete del Sr. Sagasta no ha tomado otro rumbo, como *La Unión* asevera, y que la última crisis ministerial no tiene la significación que arbitrariamente se la atribuye. Si los deseos del órgano doctrinal llegaran, desgraciadamente para Cuba, á verse satisfechos; si el Gabinete presidido por el Sr. Sagasta indicase más ó menos directamente que el General Calleja debía dimitir, el Gobernador General se apresuraría á resignar el cargo. Mientras tanto, continuará ejerciéndolo, pese á quien pese; con tanto mayor motivo cuanto que en estos mismos días, el Sr. Becerra, en pleno Congreso, dijo al Sr. Diputado Carvajal que D. Emilio Calleja merece por completo la confianza del Gobierno.

Si el resultado del viaje ha sido descubrir que la opinión de la inmensa mayoría del país favorece el plan de reformas del Sr. Maura: si esto procurará argumentos parlamentarios al Ex-ministro de Ultramar; y si así se enaltecerá la gestión del General Calleja—quien sin duda no pensó ni un momento siquiera en demostrar esto último de semejante modo—¿tiene acaso la culpa ese alto funcionario de que la violenta é iracunda oposición de nuestros adversarios haya resultado contraproducente, aumentando las simpatías de la opinión pública en favor de las ideas de paz moral, de concordia, de confraternidad y de reforma?

Se dice que otro resultado del viaje ha sido ahondar las divisiones y los enconos en que esta sociedad se agita, pero ¿cuando se convencerá *La Unión* de que el elemento reformista ha estado hace tiempo y siempre estará apartado de esos restos del antiguo partido de Unión Constitucional, por varias causas; y entre ellas porque solo fía las esperanzas de recuperar su preponderancia á esas mismas divisiones y enconos, que hoy con imprudencia manifiesta reconoce y confiesa? ¿Cuando se convencerá de que la buena, la verdadera política aconseja buscar la conciliación y la armonía, no solo con una de las fracciones de un partido ya condenado por la opinión pública, sino entre los dos elementos preponderantes en la sociedad cubana, entre los elementos insular y peninsular de esta Antilla? Si los reformistas hemos logrado este propósito, forzoso será repetir, á despecho de *La Unión*, lo que ayer decíamos: "Bendita sea la paz moral que la reforma proyectada ha afianzado en esta Isla, borrando toda distinción de procedencias, é impidiendo que se prolongara ese alejamiento, esos recelos y desconfianzas que entre unos y otros antes existían."

ACTUALIDADES.

La Unión Constitucional publicó ayer una carta de Santiago de Cuba en la cual se describe á gusto de los reaccionarios lo que allí ocurrió durante la estancia del Sr. General Calleja.

Pensábamos contestar algo á la tal carta; pero despues hemos adquirido el convencimiento de que lo mejor que podíamos hacer para demostrar el apasionamiento y la obcecación de su autor era reproducir uno de sus párrafos finales.

Hélo aquí:

"Se pretende aniquilar y destruir el árbol secular de la soberanía, que somos nosotros; talar nuestros campos y asolarlos; somos el obstáculo, el ante mural que contiene las hordas; se intenta tomar por ariete á la primera autoridad de la isla, agasajándola, prodigándola caricias, arrullándola con cantos envenenados de traidora sirena y se jura exterminarnos hasta la quinta generación de nuestra sangre."

Despues de leer eso, no ya los lectores del DIARIO, estamos seguros de que hasta los de la misma *Unión Constitucional* opinarán con nosotros que el autor de la tal carta está pidiendo á gritos una celda en el Asilo de Enajenados; porque solo á un demente, y demente furioso, se le puede ocurrir que los reformistas pretendemos *aniquilar* y *destruir* (¡no bastaba aniquilar!) el árbol de la soberanía, *talar los campos y asolarlos* (despues de talados ¿quién los podrá asolar?) *y exterminar hasta la quinta generación de su sangre* (¡hasta los tataranietos!)

Por lo visto el Sr. Elices Montes se ha callado aquí, para no descomponer el cuadro, muy buenas cosas.

Decimos esto porque en una carta que ayer ha publicado *La Unión* se despacha contra el Sr. Romero Rubio del modo que van á ver nuestros lectores:

"Esta campaña rápida, acaso sea la que ofrece en menos tiempo, mayor número de gloriosos ejemplos para la Historia. Comienza con la heróica muerte del primer general en jefe, el valiente Margallo, digno de ser cantado por Homero; síguese el sitio de Cabrerizas para probar la virtud y sobriedad del soldado; proporciona triunfos brillantísimos al general Macías; demuestra el general Ortega el arrojo militar más inaudito; hace estudiar al general Martínez Campos un plan de campaña capaz de conducirle á la total ocupación de Marruecos en muy pocos días, y, por último, ofrece la ocasión propicia para obtener el triunfo diplomático más grande que se registra al final del siglo.

Esta breve síntesis de los hechos palpita, con rara unanimidad, en el corazón de todos los hombres políticos que he visitado. Por encima de toda discusión de detalles, ella constituye el fondo de verdad para todos los españoles. A ella, pues, me atengo, y prescindo de entrar en particularidades que no conducirían á ningún fin provechoso."

Y ahora que vuelva á decir el Sr. Romero, con aplauso de *La Unión*, que la honra de España ha quedado enterrada entre los brezales de Cabrerizas Altas.

Con eso y con que el Sr. González López salga mañana diciendo que él nunca estuvo conforme con aquello de los entorchados, en verdad que quedará bien probada la unanimidad de pareceres de los cuatro apóstoles que sobre sus hombros han sustentado el peso de la reacción agonizante.

Como decíamos ayer, los reaccionarios han telegrafiado á sus diputados diciéndoles que se han retraído de la elección de Colón y que el Gobernador General ha recorrido la Isla para realizar trabajos electorales en favor del partido reformista.

Efectivamente, el Sr. General Calleja ha recorrido las provincias de Santa Clara, Puerto Príncipe y Santiago de Cuba en busca de votos para el señor Dolz.

A cualquiera se le ocurrirá que para realizar trabajos electorales en ese sentido hubiera sido más eficaz recorrer los pueblos del distrito de Colón; pero *La Unión* se habrá dicho: ¿y qué saben en Madrid dónde está Colón?

Parece que el retraimiento acordado por la Directiva constitucional para la elección de Colón ha sido un ardid de guerra.

Según nos telegrafían del distrito, los agentes del Sr. Conde de Macurijes siguen trabajando como si tal cosa y hoy se espera que lleguen allí los reaccionarios más batalladores de la Habana.

¿Será que abrigan alguna esperanza de triunfo ó por lo menos de atenuar algún tanto su derrota?

Ni siquiera esto último. Lo verosímil es que allí, como en todas partes, traten de echarlo á barato. Alentados por el ejemplo de los alborotadores de Cienfuegos, y para no ser menos que ellos, quizá se dividan en dos grupos á fin de que dando uno gritos subversivos, contestando el otro con vivas á España y al Sr. Conde de Macurijes y disparando ambos tiros al aire, se asusten los electores y dejen desiertos los colegios.

Pero ni aun así les arrendamos la ganancia, porque los reformistas de Colón están curados de espanto.

Y en Madrid ya no hacen efecto los telegramas de Cayo Hueso.

ELECCION DE UN SENADOR

El señor Rector de la Universidad Literaria nos ruega la inserción del siguiente anuncio:

"Debiendo procederse á la elección de un Senador por esta Universidad en cumplimiento de lo dispuesto en el Real Decreto de fecha 20 de Abril próximo pasado; de órden del Excmo. é Ilmo. Sr. Rector se convoca á los Sres. que tienen derecho á tomar parte en dicha elección, para que concurran al Aula Magna de este Establecimiento docente, el día 3 del próximo mes de junio á las diez de la mañana con el expresado objeto.

Lo que de orden de S. E. Ilustrísima se publica para general conocimiento.

Habana 26 de mayo de 1894.—El Secretario General,

Dr. J. Gomez de la Maza.

Nuevo Capitán del Puerto.

Con las formalidades de costumbre, tomó posesión ayer, sábado, á las doce del día, el Capitán de Navío de 1ª clase Sr. D. Buenaventura Piñón, del cargo de 2º Jefe del Apostadero, Comandante de Marina de la Provincia y Capitán de este Puerto, para el que ha sido nombrado por el gobierno de S. M.

Así mismo se han hecho cargo de sus respectivos destinos el Sr. Capitán de Fragata D. Joaquín Micón y Louplá de la 2ª Comdancia, y el Teniente de Navío D. Enrique Frexes, de la Fiscalía de Causas.

Páginas de la Historia Patria.

MAYO 27.

1520.

Españoles contra españoles.

Después de la llegada á Méjico del conquistador Hernán Cortés, envió el gobernador de Cuba, Diego Velázquez, una expedición al mando de Pánfilo de Narvaez, para que aquel caudillo entregase el mando de las tropas á éste y regresase á nuestra Isla.

Amenazábase á Cortés con severo castigo por haber desobedecido los mandatos de Velázquez; pero el intrépido é indomable caudillo extremeño, lejos de someterse á estas órdenes, regresó de Méjico, y en el camino de Veracruz, el 27 de mayo de 1520, dió batalla á las fuerzas de Pánfilo Narvaez, derrotándolas y sirviéndole sus prisioneros para reforzar el ejército que había dejado en Méjico, y con cuyo puñado de hombres, su indomable valor y el auxilio que supo hallar en los trascaltecas, realizó la gloriosa conquista del vasto imperio de Moctezuma.

NOMBRAMIENTO.

Se ha recibido en el Gobierno General un telegrama del Sr. Ministro de Ultramar nombrando Administrador de la Aduana de la Habana á D. Aníbal Arriete, propuesto por cablegrama de antier para este cargo por el señor Gobernador General en virtud del anticipo de cesantía concedido al señor don Juan Martínez Zabalo.

COMPLACIDO

Con gusto accedemos al ruego que nuestro amigo el señor D. Joaquín Ramos, administrador de la Compañía anónima *Nueva Fábrica de Hielo* nos dirije por medio de la siguiente carta:

Habana 25 de mayo de 1894

Sr. Director del DIARIO DE LA MARINA.
Presente.

Mi estimado amigo: Como de interés para el público, cuya opinión podría extraviarse al dar crédito á ciertos conceptos emitidos en el *Diario de la Familia*, respecto al uso que debe hacerse del hielo que se expende por las fábricas que administro, ruego á V. dé cabida en el periódico que tan acertadamente dirije, á la carta que con esta fecha envío al Sr. Director de aquella publicación, y que en copia le incluyo.

Le anticipa las más expresivas gracias su afectísimo amigo y S. S. Q. B. S. M.

Joaquín Ramos.

Habana 25 de mayo de 1894

Sr. D. José Curbelo, director del *Diario de la Familia*.

Muy Sr. mío y estimado amigo: En el número correspondiente al día de hoy, del periódico que tan dignamente dirije, he leido un artículo titulado "El Hielo", en el que se emiten algunas ideas erróneas, que en interés de la Empresa que administro, y abogando por los fueros de la verdad, me veo obligado á rectificar.

El autor del artículo tiende en todo él á demostrar y convencer, que es siempre preferible enfriar los líquidos que han de beberse, fuera del contacto del hielo, en neveras apropósito, que ponerlo dentro de los mismos líquidos.

Esta es una verdad incontrovertible en casi todos los casos, pues aparte de que el hielo puede no ser puro, y por lo tanto nocivo, todos los líquidos, excepto el agua, se alteran en su composición, por el aditamento del hielo; mas en lo que no estoy ni puedo estar conforme con el autor del artículo, es en lo que dice de que *el hielo artificial que se fabrica en la Habana*, y por lo tanto en la "Nueva Fábrica de Hielo" (que es una de las dos existentes), pueda contener ó contenga gérmenes nocivos á la salud.

Y mi no conformidad consiste única y exclusivamente, porque todo el hielo que entrega al consumo la "Nueva Fábrica" está completamente exento de miero organismos, como voy á demostrar.

Esta Empresa, sabe V. que posee dos grandes fábricas de hielo, una situada en Puentes Grandes, y otra en la calzada de la Infanta esquina á la calle de la Universidad. Las máquinas de Puentes Grandes congelan por el novísimo procedimiento celular, en el que sólo se emplea agua del caudaloso *manantial de San Gerónimo*, que surte dentro de los muros de la misma fábrica, y de donde sale el agua por cañería directa de hierro galvanizado, fuera del contacto del aire, á llenar los espacios intercelulares donde el agua se congela por el enfriamiento de las celdas, que proviene de la máquina refrigerante. Como el agua de manantial tomada en estas condiciones no contiene micro-organismos, claro es que no los ha de adquirir por la congelación, y de aquí el que el hielo que producen estas máquinas, es purísimo, porque proviene de agua potable de inmejorables condiciones, que se despoja de parte de sus sales en disolución, por el acto mismo de su transformación en hielo, que como toda cristalización, es uno de los procedimientos físicos de purificar.

Las máquinas que poseemos en la calle de Universidad, son de sistema más antiguo que el celular, de congelación en moldes, y el agua con que estas se llenan, es perfectamente pura, puesto que es agua destilada.

No quiero discutir si el agua que nos proporciona el canal de Vento, sale ya ó no infectada desde el depósito de Palatino y si acaba de cargarse de materiales nocivos á la salud, corriendo por las también infectas cañerías de la población, pues para el caso presente, es perfectamente igual una ú otra cosa. Tal como las cañerías nos surten el agua de Vento, la toma la fábrica de hielo que administro, y antes de pasar á llenar los moldes en que se congela, atraviesa una ó más grandes calderas donde se eleva la temperatura hasta ciento setenta grados centígrados, es decir, que se evapora el agua á una presión de cerca de ocho atmósferas; este vapor se condensa inmediatamente de producido, en grandes aparatos ad hoc, y después de volver á obtener el agua en el estado líquido, se la enfria convenientemente dentro de tuberías de hierro galvanizado, y fuera del contacto del aire, hasta el momento de invertirse en el llenado de los moldes, que también con de plancha galvanizada superior.

Es evidente que con este procedimiento, todos cuantos organismos pudiera tener el agua de Vento, perecen al elevarse la temperatura á 170° centígrados, y como además se toma solo de las calderas el vapor producido, y no el agua con que se alimentan, sufre ésta una verdadera destilación, muy superior á la que pueda obtenerse en el mejor alambique, por operarse á temperaturas más altas, y como después no vuelve á estar jamás en contacto con el aire, hasta que sale de los moldes convertida en hielo, de aquí que éste, léjos de ser vehículo de gérmenes nocivos es el agua más pura que puede beberse, si se deja volver á su estado líquido ordinario.

Creo haber demostrado perfectamente á V. señor Director, como á cualquier persona instruida que ésto lea, que el hielo de la "Nueva Fábrica", léjos de ser nocivos, contribuirá mezclado con el agua ordinaria de Vento, á disminuir en proporción los gérmenes nocivos que puede contener aquella, y que si sólo bebiéramos el agua producto del deshielo de un trozo de los que producen estas fábricas, estaríamos completamente seguros del contagio de las epidemias, cual aconsejó al público en un opúsculo que se repartió con profusión en la Habana, cuando últimamente nos vimos amagados de invasión por el cólera morvo asiático.

Me honro en acompañarle un certificado de los químicos que de orden del Gobierno reconocieron tanto el agua que emplean estas fabricas, como el hielo que producen, en el que se demuestra una vez más, la exactitud de cuanto llevo manifestado.

Por lo expuesto comprenderá V. el gran interés que tiene para las fábricas que administro, el aclarar el concepto equivocado que tenía el autor del antes citado artículo y por el que le ruego dé lugar en su apreciable DIARIO, á estos mal trazados renglones, como dictados por mí, falto de tiempo indispensable para pulirlos, sin que crea necesario alegar otros derechos que los que el restablecimiento de la verdad exijen, y los que nacen de nuestra amistad no interrumpida.

Aprovecho esta ocasión para invitar á V. así como á cualquier otro ú otros que V. designe del cuerpo de redactores de su ilustrada publicación, para que me honren con una visita, tanto á las fábricas de hielo, como á la de cerveza "La Tropical", que también es propiedad de la Empresa, para que puedan convencerse de cuanto he expuesto.

En espera de su aviso queda suyo afmo. s. s. q. b. s. m.

Joaquín Ramos.

REVISTA MERCANTIL.

Azúcar.—Desde nuestra última revista del 19 del corriente, debido á las noticias desfavorables de los mercados de Nueva York, este nuestro ha seguido muy quieto, las transacciones han sido de poca importancia y á precios en baja.

La mayoría de los tenedores están retraidos en espera de mejores cotizaciones, más adelante, y los exportadores se resisten á pagar precios más altos que aquellos que concuerdan con los del mercado de NuevaYork. No ha habido demanda para la especulación.

Los precios deben considerarse nominales.

Las ventas de que se tienen noticias son las siguientes:

Azúcar centrifugado.

1000 sacos polarización 95½, á 4 95 reales arroba.
700 idem idem 96 á 5.20 rs. ar. en Bahía.
552 idem idem 95, á 5.15 rs. ar. idem.
264 idem idem 96, á 5 05 rs. ar. idem.
500 idem idem 96, á 5.22 rs. ar. idem.
264 idem idem 96 á 5½ rs. ar. idem.
2000 idem idem 96, á 5, en Cárdenas.
500 idem idem 95½, á 4.90, en Sagua.
5184 idem idem 95¾96, á 5.16, en Cárdenas.

Azúcar de miel.

3270 sacos pol. 89½, á 3.73 rs. ar. en Cárdenas.

Existencias en la Habana:

	Cajas.	Sacos.	Bocoys.
Existencia en 1º de enero de 1894 ...	13	197.325	6
Entradas desde esa fecha...	.....	1.375.495	926
Total.....	13	1.572.820	932
Exportado....	.....	744.398	122
Existencia en 25 de mayo de 1894.....	13	778.422	810
Id. en 18 abril de 1893.....	13	741.202	497

Cambios.—Firmes.

Londres, 60 d|v., de 18¾ á 19¼ p$ P.
Francia: 3 d|v., de 5 á 5¼ p$ P.
Nueva York: 3 d|v., de 9 á 9¼ p$ P.

Operaciones en la semana.

£20,000 sobre Londres, 30 d|v. de 19⅛ p$. P.
£20,000 sobre Londres, á 60 d|v. de 17¾ á 18⅛ p$ P.
Fr. 700.000 sobre París 3 d|v. á 5⅛ p$ P.
$180,000 sobre Madrid y Barcelona á 8 d|v. de ¼ á 13¼ p$ D.
$100.000 sobre los Estados Unidos, á 3 d|v. de 8 á 8¼ p$ P.

Descuentos.—Los tipos son de 10 á 12 por ciento por año y de 3 á 6 meses respectivamente.

Plata española.—Los tipos han fluctuado esta semana de 13 á 13½ y cierra de 13 á 13½ por 100 D.

Metálico.—Importado:

	Oro.	Plata.
En la semana: (Desde el 17 al 22 de mayo.)		
De Nueva York,	92.206	
De id. oro francés	$ 686.880	$ .....
Anteriormente ...	$ 8.203.974	$ 288.142
Total en 1894.....	$ 8.983.060	$ 288.142
Id. en 1893	$ 6.318.352	$1.669.659
Aumento en 1894.	$ 2.664.708	.....
Disminución en 1894.....	.....	$1.381.517

Exportado:

En la semana.

Del 17 al 22 mayo:		
Para Santander....	.....	7.000
Anteriormente ...	$ 508.000	$ 212.503
Total en 1894..	$ 508.000	$ 219.503
Total en 1893..	.....	$ 294.740
Aumento en 1894.	$ 508.000	.....
Disminución en 1894.....	.....	$ 75.237

Tabaco.—Se ha exportado:

Tercios.	
Del 19 al 26 de mayo.....	3.525
Anterior.....	98,316
Total en 1894.....	101,841
Idem en 1893.....	112,893
Diferencia en contra 1894.....	11,052
Torcidos.	
Del 19 al 26 de mayo.....	2.261,775
Anterior.....	45.832,831
Total en 1894.....	48.094.606
Idem en 1893.....	52.435,218
Diferencia en contra de 1894...	4.346,612
Cajetillas de cigarros.	
Del 19 al 26 de mayo	721,822
Anterior.....	14.322,438
Total en 1894	15.044,260
Idem en 1893.....	18.241,855
Diferencia en contra de 1894...	3.197,595
Kilos de picadura.	
Del 19 al 26 de mayo.....	1,695
Anterior.....	243,273
Total en 1894.....	244,968
Idem en 1893.....	315,194
Diferencia en contra de 1894...	70,826

NECROLOGIA

Enviamos el más sentido pésame á nuestro distinguido amigo particular el capitán de Estado Mayor D. José Estremera, el que recibió ayer, por la vía extranjera, la dolorosa noticia de haber fallecido su anciano padre en un pueblo de la Península. Sirva de consuelo á ese amantísimo hijo, para soportar la honda pena que le aflige, la parte que en ella toman sus amigos, en cuyo número nos contamos.

El único lenitivo en tan inesperado golpe, es la resignación cristiana y el respeto á los fallos de la Providencia Divina.

Ha fallecido en Londres, á la edad de 81 años, el diputado escocés M. William Mc Cullagh Torrens, á consecuencia de haber sido atropellado por un carruaje, y después de haber sido víctima por dos veces—debido á ser muy corto de vista—de accidentes del mismo género.

Este prohombre era un estadista profundo que deja infinidad de obras escritas.

En la actualidad estaba imprimiendo un libro muy curioso titulado *Una Historia de los Ministros.*

NOTICIAS COMERCIALES.

Por la Secretaría del Círculo de Hacendados se nos comunica el siguiente telegrama del servicio particular del mismo:

Nueva York, 26 de mayo.

Mercado: quieto.
Centrífugas, polarización 96, vendedores á 2.13|16, compradores á 2.3|4 centavos, costo y flete.
Mercado de Londres, flojo.
Azucar remolacha 88 análisis á 11|9.

CRONICA CIENTIFICA

ESCRITA EXPRESAMENTE PARA EL "DIARIO DE LA MARINA."

Madrid, 7 de mayo de 1894.

Vamos á seguir ocupándonos en esta crónica del mismo problema que estudiamos en la crónica precedente, á saber; del problema de la locomoción.

De este problema hemos hablado muchas veces: por que hemos hablado de la locomotora y de sus últimos perfeccionamientos; de las novísimas locomotoras eléctricas; del problema de los globos; del de la aviación; de las bicicletas; yay movidas por un hombre ya por otra clase de motor, y hasta nos ocupamos en nuestro último artículo de la locomoción pneumática, por el interior de un tubo.

Es que el problema de la locomoción es capital para la raza humana. Allá pueden vivir los infusorios, en una gota de agua, que es para ellos un inmenso Océano. Adherida á esa roca puede vivir la ostra, con horizonte de Algas y valvenes de olas. Por entre ramajes de coral asoman ó se retiran masas gelatinosas sin abandonar su pequeñísimo agujero. En mezquinas galerías para su vida el topo. Pero el hombre, ni es topo ni ostra, ni simple masa protoplasmática; por eso se agita, se mueve, camina, pasa rios, salva montañas, surca mares, le pide al caballo sus poderosos músculos, y al dromedario y al camello y al elefante; le pide al viento su empuje, y tiende velas en los mares, y hasta sobre planicies heladas arma vélas sobre trineos, y aun convierte á los perros en bestias de tiro. Le reclama al vapor su fuerza espansiva, y vuela con la locomotora sobre carriles de acero, y avanza sobre las olas, atornillando sus hélices en la masa verdosa de las salobres aguas. Y le parece poco, y acude á la electricidad para que le lleve tan aprisa como ella suele ir, á ser posible. Y con máquinas de vapor, y con acumuladores, y con pilas eléctricas sube á los aires á empeñar delirante lucha con el huracán. Y todo le parece poco, en suma, para devorar el espacio.

Que en estas tremendas batallas que riñe contra esos dos tremendos fantasmas de la metafísica, que se llaman el espacio y el tiempo, ya que el siempo devora al ser humano justo es que el ser humano tome su vengauza con el espacio.

Pero la empresa de que hoy vamos á ocuparnos, no es tan grandiosa como todas estas que dejamos indicadas: es muy modesta; pero muy útil y muy práctica y relativamente muy hacedera.

Tiene además un carácter eminentemente democrático y quien dice democrático, dice eminentemente individual, porque, en esto de la locomoción puede dominar uno á otro carácter.

El tranvía por ejemplo, tiene algo de socialista y el ferrocarril mucho más y mucho más el trasatlántico. El ser individual y el grupo que le sigue ó sea la familia, se borran en cierto modo, y se confunden con la muchedumbre que camina. No vá tal, ó cual individuo en un tren, vá una masa humana y entre estación y estacion vá fatalmente; una locomotora para todos, y á todos los arrastra; todas aquellas voluntades humanas han abdicado en una, en la voluntad del maquinista, que simboliza en cierto modo al Estado.

Voy en un tren, quiero detenerme por que detenerme me agrada; por que el paisaje me enamora; por que he visto una cascada, cuyas frescuras quisiera sentir sobre mi rostro; por que he visto un arroyuelo en que quisiera beber; por que desde la ventanilla de mi coche he visto al pasar como un relámpaño una casita blanca, y quisiera acercarme á su puerta; ó es que me ha llamado la atención un ribazo y quisiera asomarme al otro lado: pues es imposible. A mí, y á mis deseos, se los lleva brutalmente la locomotora, á razón de 80 kilómetros por hora, y adios para siempre á las espumas de la catarata; á las ondas del arroyuelo: á las puertas y á las ventanas de la casita blanca, al misterioso recodo de la cañada, que él y no yo, podrá ver lo que hay del otro lado del ribazo.

La locomotora no permitirá que me detenga hasta la próxima estación, para ver como sube ó como baja algún viajero de cara estúpida, como pasa algún empleado de cara adusta, ó como descargan baules del furgon de equipajes; séres y faenas, muy respetables; pero poco poéticos.

Decididamente el tren es un sistema eminentemente socialista; no tiene en cuenta el elemento individual, con toda su riqueza de matices, con sus deseos, con sus caprichos, con sus espontaneidades, con sus energías libres.

En una masa de 300 personas, tenía, por decirlo así, un elemento común, el *deseo de ir á un punto determinado* y este único deseo y este único elemento es el que tiene en cuenta. Ha tendido el rasero sobre 300 personas, las ha nivelado, y ya son todas iguales: hombres y mujeres; viejos y niños; la niña bonita y la lamona fea; el hombre inteligente y el ignorante; el que vá á impulsos de un sentimiento noble, el que quiere ir para realizar una infamia; ó el indiferente que viaja para cambiar de sitio; todos son idénticos: viajeres para Burgos, viajeros para Santander, viajeros para Francia. Caminarán á la vez, se detendrán al mismo tiempo, comerán en la misma fonda, la misma detestable comida y al anden se les arrojará en llegando como bultos de mercancia que pagaron por la tarifa.

Decididamente los trenes del ferrocarril tienen todas las brutalidades niveladoras del Estado socialista.

Es lo único que me desagrada en esta invención de los ferrocarriles.

Nada mas agradable que la sociedad humana, cuando uno libremente la escoje; cuando uno sabe además, que puede dejarla en el instante en que le cause; pero hacer de 300 personas, que ni se conocen, ni por lo tanto se aprecian, que pueden tener cara simpática, pero que suelen tener á veces caras repulsiva; personas á las cuales no reune ni el cariño ni la amistad, ni el amor ni ninguna de las grandes atracciones morales de la vida; que solo la diosa casualidad agrupa, y la unidad reglamentaria del tren aprieta; reunir digo estas 300 personas en una sola masa para que de ella tire brutalmente una locomotora rojiza sobre unos carriles mas ó menos desnivelados, es un linaje de progreso, que se agradece porque es grande; pero cuyas deficiencias y molestias siente, el que es un tonto sensible y un tanto amante de la libertad individual.

Ya sabemos que todos estos inconvenientes son propios del sistema: que en la vida humana nada se consigue sino á fuerza de sacrificios: y para emanciparse de la esclavitud que el espacio impone, es decir, para realizar una gran libertad, hay que imponer limites á otras libertades menores. Aun así todo ya procura el individuo que viaja emanciparse, en lo posible, de la tiranía socialista del tren; y por eso se van estableciendo, como hemos explicado en otras ocasiones, ciertas mejoras ó comodidades mediante las que el viajero va recobrando su personalidad y su independencia.

Para eso, precisamente, se han establecido los departamentos reservados; las berlinas, las berlinas-camas, el lit-toilet, el Sleeping-car, los trenes especiales y todo ese sistema de mejoras que devuelven al viajero parte de su libertad de acción.

Claro es que todo esto, sólo se consigue pagando determinados suplementos y que sólo es accesible á las personas acomodadas ó ricas; pero esta es y será ley eterna de la sociedad; siempre el pobre estará sujeto á mayor número de fatalidades; es decir, siempre será mas prisionero de la masa socialista que el que con su trabajo ó su ingenio, ó la suerte que Dios quiso darle, consiguió mayor ó menor riqueza. ¡Qué la riqueza bien adquirida representa trabajo acumulado y da el medio de luchar contra la fatalidad, que siempre viene representada por energías ó trabajos mecánicos, es decir, por molestias materiales!

De todas maneras en los grandes sistemas de locomocion, como en el ferrocarril ó en el trasatlántico, es inevitable cierto linaje de tiranía socialista.

Por eso me es tan simpático el *velocípedo*. Sistema de locomoción eminentemente individualista, en que el hombre va solo, más á prisa ó más despacio, según le place; deteniéndose cuando le agrada detenerse; y cuando llega el momento de caer, cayendo solo con su elegante vehículo y no en compañía de trescientos viajeros y compañeros mártires, entre montones de astillas de coches destrozados, de agua hirviendo, de vapor furioso y de locomotora herida que parece mónstruo desangrado.

Por eso me es simpático el triciclo que para gente menos dispuesta ó menos joven, á la bicicleta sustituye.

Y por eso leo con ánsia todos los inventos que tienen por objeto aplicar á bicicios y triciclos motores más poderosos que la fuerza muscular del hombre, ya emplée, como en los sistemas ordinarios, las piernas; ya utilice, como en algunos sistemas modernísimos, las piernas y los brazos á la vez.

Por eso, dicho sea de paso, me ha sido siempre grandemente simpático el caballo, que era el sistema de locomoción mas *individualista* que se conocia hasta que se inventó el velocípedo.

Un buen ginete sobre un buen caballo, es el símbolo más artístico, y más bello por lo tanto, del individualismo poderoso, libre, en la plenitud de sus energías.

Pero el invento á que me referí al principio de esta crónica representa la locomoción libre é individualista, emancipada de todo socialismo irritante ya para el individuo, ya para la familia. Con lo cual comprenderán mis lectores que me refiero á los *coches mecánicos*.

Ir en coche y no necesitar de cochero, ese brutal tirano del pescante y la fusta, salvas honrosas excepciones, es haber realizado un gran progreso con todas sus apariencias de modestia.

Y en el perfeccionamiento de este invento se trabaja en todas partes. El Petit-Journal ha abierto—si no estamos mal informados—una especie de concurso, con sus premios correspondientes, para cuantos inventores de coches mecánicos quieran acudir á él.

Una sociedad cuyo objeto es la propaganda y la mejora de estos que no vacilo en llamar salvadores vehículos, se ha estaqlecido también en Madrid: y todos los que no podemos tener coche de uno ó de dos caballos, ni lacayo, ni cochero, ni mozo de cuadra, esperamos con impaciencia que llegue el día en que podamos gastar coche barato y coche propio: no ese coche socialista que se llama tranvia: ni siquiera ese otro sistema semifantástico de que hablaba en una de mis crónicas anteriores y que pudiera denominar de *tranvía contínuo á aceras móviles.*

El coche del porvenir es el coche sin caballos; por

coche automóvil en que el generador de electricidad es una pila de ácido crómico,

El peso del vehículo es de 70 kilógramos y puede marchar con una velocidad de 18 á 20 kilómetros por hora.

El genio de la invención no descansa: pues los resultados que acabamos de indicar son importantes y quizá en breves años el coche automóvil estará al alcance de la burguesía; y en general, los carruajes automóviles, al alcance de socialistas y anarquistas, gracias todo ello al trabajo del genio y al esfuerzo del capital.

JOSÉ ECHEGARAY.

NOTICIAS JUDICIALES.

APELACION RESUELTA

La Sección Segunda de lo Criminal ha confirmado los autos apelados por D. Manuel Pruna Santa Cruz que denegaron el procesamiento de doña Francisca Cantelas viuda de Alorda en querella establecida por el apelante contra esta por defraudación de la propiedad intelectual.

SENTENCIAS

Por la Sección Primera se han dictado los siguientes:

Condenando á Baldomero Martínez á la pena de tres meses y medio de arresto mayor por hurto á D. Luis Santa Cecilia.

Condenando á Adolfo Restituto Febles á dos meses y un día de arresto mayor por hurto á D. Antonio González.

Condenando al menor Abelardo de la Orden y Lastra á la pena discrecional de 325 pesetas de multa por hurto á don Ramón Pérez.

Condenando á Justo Paz y Salas á dos meses y un día de arresto mayor por lesiones menos graves.

JUICIOS ORALES

SEÑALAMIENTOS PARA MAÑANA.

Sección 1ª

Contra D. Rafael Usatorres y Perdomo por injurias á la autoridad. Ponente: Sr. Pagés. Fiscal: Sr. Mora. Defensor: Ldo. Mesa y Domínguez. Procurador: Sr. Sterling. Juzgado de Catedral.

Contra Isidro Pérez y Fernández por injurias. Ponente: Sr. Maydagan. Fiscal: Sr. Mora. Defensor: Ldo. Giberga. (D. Octario) Procurador: Sr. Sterling. Juzgado de la Catedral.

Secretario: Ldo. Secane.

Sección 2ª

Contra José Molina y otro por lesiones. Ponente: Sr. Pardo. Fiscal: Sr. Ortiz. Defensor: Ldo. Portillo. Procurador; Sr. Sterling. Juzgado de Belén.

Contra Agustín Pérez y otro por hurto. Ponente: Sr. Pardo. Fiscal: Sr. López Aldazábal. Defensor: Ldo. Montes. Procurador: Sr. Villar. Juzgado de Jaruco.

Secretario, Ldo. Caramés.

ADUANA DE LA HABANA

RECAUDACIÓN.

	Pesos. Cts.
Día 26 de mayo.....	$ 28.435 21

CRONICA GENERAL.

La recaudación de cédulas personales del tercer distrito, se halla establecida en la calle del Morro número 4, siendo las horas de despacho de 7 á 10 de la mañana.

Las marcas para tabacos *El Matador*, *La Borchette*, *El Oran*, *La Pradera Flor el Todo* y *La Inocencia*, han pasado á la propiedad de D. Cándido García y García. También las marcas *La Preferencia*, *Presidente Cleveland*, *La Brunswick* y *Flor de Abany* han pasado á ser de la propiedad de D. Juan Grau Viñals.

A fines del presente mes deberá ser botado al agua en Filadelfia el vapor *Purísima Concepción*, de la Empresa Menéndez y Compañía. Dicho vapor es de igual tipo que el *Antinógenes Menéndez*, pero mide 15 piés más de largo que éste.

Los frenos continuos de que están provistos los ferrocarriles ingleses han sido objeto de una escrupulosa observación respecto á las *fallas*.

En 26.749,287 millas (de 1.609 metros) recorridas se han contado 293 *fallas* con el freno Westinghouse, ó sea una por 146,892 kilómetros, y 254 con el freno por el vacío, ó sea una por 352,836 kilómetros.

El freno por medio del vacío da un recorrido regular, 2,4 veces superior al de aire comprimido.

Actualmente en Inglaterra éste está montado en 8,876 máquinas y 18,515 carruajes, y el freno por el vacío, sobre 2,666 de aquéllas y 19,276 de éstos.

MM. Galland y Grajon acaban de inventar un azadón mecánico. Un hombre puede ejecutar con esta nueva máquina el mismo trabajo que cinco ó seis obreros que utilicen el azadón ordinario. Además, la persona que maneje la máquina no necesita inclinarse hacia el suelo para cavarlo, lo cual es una ventaja considerable desde el punto de vista higiénico.

El invento es sencillísimo.

El obrero empuja un carrito de cuatro ruedas y, al propio tiempo, mueve un árbol horizontal, sobre el cual se halla fijo un cilindro cavador, provisto de grandes dientes, que penetran en el suelo.

Para poner en movimiento la máquina basta con impulsar dos manivelas que, con ayuda de engranes, hacen funcionar el cilindro cavador.

El obrero ejerce un esfuerzo sobre las manivelas de cinco kilógramos, que se traduce en un efecto final de 250 kilos.

La tierra es levantada por el azadón, y varios cuchillos intermedios arrasan las malas hierbas.

Con una máquina de 160 kilos de peso se cava á 15 centímetros de profundidad por 65 de anchura.

Con un modelo pequeño, de dos ruedas y de 60 kilos de peso, puede profundizarse 12 centímetros en una anchura de 45 á 50.

Esta máquina sirve para la jardinería y para el cultivo de plantas enfiladas, como las viñas, remolachas, semilleros, planteles, lúpulo etc.

En casi todas las comarcas de España presentan un aspecto inmejorable los sembrados. La próxima cosecha promete ser buena, y por estas fundadas esperanzas se ha iniciado la baja de cereales en los mercados de Andalucía, Extremadura, las Castillas y otras regiones, siendo lo probable que dicho movimiento se generalice y acentúe.

LA MUJER CUBANA.

Como un día surgió la Venus griega
Del misterioso seno de los mares,
El pie en la espuma que en su torno juega,
La frente en los espacios estelares;

Así la ola rompiendo cristalina
Que besa en paz la playa americana,
Casta y gentil aparición divina,
Surgió á mis ojos la mujer cubana.

Vedla! en las fantasías del poeta
Forma no se alza más radiante y pura,
Ni hay color del artista en la paleta
Que á bosquejar alcance su hermosura.

El coro de las Gracias á su paso
Tiéndele sus guirnaldas por alfombra
Y tanto sol no se hunde en el ocaso
Como de sus pestañas tras la sombra.

De un beso efluvio que robó indiscreto
A una Nereida un Sílfo, ébrio de amores,
Lleva en su propio origen el secreto
De su amor á las perlas y á las flores.

En la cambiante luz de su pupila
Que copia los estados de su alma,
Junta el furor del rayo que aniquila
A la serenidad de un lago en calma.

Y en la altivez de su gallardo busto
Que cinceló el Amor en alabastro,
Hay de una reina el continente augusto
Y el reposo magnífico de un astro

Ríe, y la risa de sus labios rojos
Baña en ondas de luz los corazones;
Llora, y parecé que sus grandes ojos
Vierten, en vez de lágrimas, perdones.

Vedla! A sus ansias de ideal estrecha,
La atmósfera terrena halla importuna;
Su alma de sueños de ángeles fué hecha
Y su cuerpo de rayos de la luna.

De sus miradas, donde el sol se enciende,
Llega el fulgor al pecho solitario
Como sobre el altar la luz desciende
De la lámpara que arde en el sagrario.

Guarda la fe su alma pudorosa
Como la esencia el cristalino pomo
Y es, cual la de un cometa, luminoso
La huella leve de su pie de gnomo.

Del azahar el aroma penetrante
No embriaga más que el que su aliento exhala,
Ni la palmera esbelta y arrogante
La gallardía de su talle iguala.

Su voz, que es á la vez canción y lloro,
Nota de guzla y vibración de lira,
Tiene los ecos de celeste coro,
El murmullo del aura que suspira,

Los sollozos del niño que se queja,
La magestad de un himno de victoria,
La tristeza de un canto que se aleja,
El compás de una marcha hacia la gloria,

Los arpegios del ave en la enramada,
Toda la escala en fin, todos los ruidos
De esa gran sinfonía al par cantada
Por los mundos, las almas y los nidos.

¡Oh, yo la vi! En las noches tropicales
Vi aparecer su imágen peregrina,
Virgen de fuego, envuelta entre cendales
De nivea gasa y rósea muselina,

Como al contacto de una llama errante
El éter á su paso se inflamaba,
Sembrando por doquier, volcán flotante,
Ruinas de amor su candescente lava.

Y al contemplar su frente de azucena
Y su palabra al escuchar sonora,
Mi alma de duelo y de pesares llena
Sintió el rocío de una nueva aurora.

De mi pecho en el campo de batalla
La esperanza surgió, como un trofeo;
Torné el reposo al corazón que estalla,
Desperté la ilusión, brotó el deseo,

Y mi espíritu ante ella, imponderable
Conjunto de celestes maravillas,
Desde entonces absorto, en inefable
Contemplación, la adora de rodillas!

¡Ah! ¿Cómo no, si de ostentar se precia
Lo que más en el mundo se idolatra:
La abnegación sublime de Lucrecia,
La belleza inmortal de Cleopatra?

¡Si su seno al amor se abre anhelante
Con las ansias del pétalo á la brisa,
Y jamás, como madre ó como amante,
La superó Cornelia ni Eloisa?

¡Salve, mujer! Dios agotó en tu hechura
Todo el esfuerzo de su númen santo
Y al arte irreductible tu hermosura,
No hallo á expresarla voces en mi canto.

M. CUEROS ENRÍQUEZ.

Habana, mayo 1894.

SUCESOS.

ACCIDENTE DESGRACIADO

Ayer tarde, fué asistido por el Dr. Romero Leal, Director de la Estación Sanitaria Oficial de los Bomberos Municipales, don Antonio García Piña, natural de Lugo y de 20 años de edad, de una fractura doble y completa del tercio inferior de la tibia y el perone, siendo su estado de pronóstico grave y cuya lesión sufrió casualmente al caer el caballo en que montaba, en los momentos de transitar por la calle de Villegas entre Teniente Rey y Muralla.

El paciente fué trasladado á su domicilio, calle de los Oficios nº 68, en la camilla de la expresada Estación.

GACETILLA.

CUATRO "BAILES DE LAS FLORES."—La juventud aficionada á los placeres coreográficos tiene hoy, domingo, sitios privilegiados donde dar rienda suelta á su diversión favorita.

El "Centro Gallego", adornado con la belleza y el buen gusto que acostumbra en fiestas análogas, celebra el anual "Baile de las Flores", dedicado exclusivamente á los socios de dicho instituto. Las puertas del local se abren á las 8 y el sarao comienza á las 9.

La Sociedad Coral "El Gavilán" también obsequia esta noche á sus socios con un baile "en homenaje de Flora", habiendo contratado la popular orquesta de Claudio Martínez.

Rosa, clavel y jazmín;—ramajes vienen y van....—Vamos, parece un jardín—la jaula de "El Gavilán."

Por su parte "Minerva", la nueva sociedad de recreo del barrio de Jesus María, celebra su apertura hoy, domingo, con un baile consagrado "á las flores", en la calle de Revillagigedo número 129.

Asimismo el "Casino Español" de Santiago de las Vegas, se ha dignado invitarnos para el gran "Baile de las Flores", que tendrá efecto en los salones de aquel instituto hoy, domingo, tocando allí la orquesta de Mariano Méndez.

PRINCESA BEATRIZ.—Ya empiezan á llegar á la suntuosa peletería *La Marina* (Portales de Luz), las novedades que con destino á ese establecimiento se confeccionan en la fábrica (propiedad de la misma casa) establecida en Ciudadela de Menorca.

Entre el nuevo calzado se destacan las elegantes polonesas "Princesa Beatriz", de suave cabritilla con puntera de charol y corte primoroso; unas son abiertas y otras abotonadas, todas con tacón bajo, como prescribe la higiene.

Recomendamos á las damas que acostumbran calzar con esmero, una visita á los almacenes de Piris y Estiu, donde siempre hay escarpines de charol para recepciones y bailes, y zapatos de forma bellísima.

Como da á los jardines encantos—El azul, el rosado, el carmín,—Da á los pies atractivo, belleza,—El calzado "Princesa Beatriz."

NOTAS.—Esta tarde se baten en Carlos III los clubs *Habana* y *Matanzas*, siendo ese el último juego de la segunda serie.

Por tal motivo, es de creer que una concurrencia numerosísima acuda á los "terrenos del Almendares", donde se verifica el *match*.

—*Manía* cita, llama y emplaza á sus comprovincianos para que asistan hoy á su famosa "Taberna" de la calle de Obrapía 95, donde se exhiben productos de Asturias, acabados de recibir, y se pone *espiche* á una hidrópica pipa de confortable sidra de manzana.

INAUGURACIÓN.—Se nos comunica que esta noche celebran los vecinos del barrio de Jesús María, la inauguración del bonito parque que en aquella plaza ha construido nuestro celoso Ayuntamiento. Brillará por vez primera en ella un potente foco de luz eléctrica que ha de iluminar los jardines; habrá fuegos artificiales y gran "baile de las flores" en casa del Sr. Lamela, presidente de la sociedad "Minerva". Por la tarde gran procesión por las Hijas de María.

LOS TEATROS.—*Tacón*.—Para esta noche se anuncia, por única vez, una función monstruo, compuesta de 9 actos, á un peso en plata cada entrada y luneta. La comedia traducida por Mario (hijo) *Militares y Paisanos* y la segunda parte de ésta, *Villa-Tula*, arreglada á la escena española por el festivo Vital Aza. A fin de que el espectáculo acabe á buena hora, empezará á las 7½ en punto, y serán cortos los intermedios. De modo que podremos ver de un tirón á *Cebolleta* soltero y á *Cebolleta* casado.

Payret.—Dos funciones prepara para hoy, domingo, el Gran Herrmann. La primera es á la una de la tarde con suertes á propósito para los niños, á los que repartirá bombones, si el tiempo lo permite. La segunda por la noche, á la hora de costumbre. Hay que poner asunto al "gabinete misterioso" y á los bailes que ejecuta la hermosa Addie, iluminada la escena con 14 luces Droumont. Los nenes menores de diez años, pagan media entrada en el espectáculo vespertino.

Albisu.—De la zarzuela en tres actos *Los Diamantes de la Corona* y el juguete lírico en uno, *Chateau Margaux*, se componen las cuatro tandas combinadas para esta noche, y como es costumbre en domingos y días de fiesta, comenzarán á las 7½. La misma Empresa dispone para la semana entrante el estreno de la obrita *El Traje Misterioso*. ¿Estará cortado á la moda? ¿Podrá competir con los que salen de la casa de Stein y Comp?

CHISPAS.—La Compañía Burón-Roncoroni se despedirá mañana, lunes, del público de Guanabacoa, representando en aquel teatro la comedia en tres actos, *El Señor Cura*, del jocoso Vital Aza. En esa producción escénica, menos la señora Marí y el señor Roncoroni, trabajan todos los demás artistas.

—Según *El Fígaro*, en el "Certamen de belleza" abierto por ese magnífico semanario, han obtenido hasta la fecha mayoría de votos las señoritas siguientes:

Blanca Broch.....	153
Josefina Herrera.....	151
Herminia Del Monte.....	137
Catalina de Lasa.....	66
Herminia Gonsé.....	60
Mercedes O'Reilly.....	48
María Carrillo.....	42

VERSOS DEL POETA ALEMÁN E. HEINE.—A mi madre.

Loco, una vez, abandoné tu lado
Y al mundo me lancé, tras la divina
Ilusión del Amor, que en mis ardientes
Amantes sueños realizar quería.

Busqué el Amor por todos los caminos;
Lo mendigué con alma adolorida
De puerta en puerta; y dolo obtuve, sólo,
Frío en el corazón, y odios y risas.

Seguí, seguí buscando,—y nunca, nunca
Logré encontrarlo,—hasta que al fin, un día
Volví al hogar...—saliste á recibirme,
Y oh, sorpresa feliz, madre querida!....
Vi en tus ojos brillar, eterno y puro,
El santo amor con que soñado había!

Pérez Bonalde.

SE TRANSFIERE.—El Presidente del "Club Biciclista de la Habana" ha recibido un telegrama de Nueva York, en el que se le dice que no es posible estén en esta ciudad para este domingo, el objeto de arte y demás premios encargados con destino al campeonato, á causa de no hallarse terminados aun, por cuyo motivo dicho Club se ve en la necesidad de posponer la fecha en que ha de llevarse á cabo esa gran fiesta ciclista.

Así nos lo comunica el Secretario, agregando que continúa abierta la matrícula y que oportunamente se publicará el programa combinado, en el que habrá otras carreras de no menos importancia que el campeonato.

NUEVO MAR.—Examen de geografía:

—¿Cuál es la capital de la Dalmacia?

—Zara.

—Y Zara ¿es ciudad terrestre ó marítima?

—Marítima.

—Perfectamente. ¿Y qué mar baña á la capital de Damacia?

—El mar....rasquino de Zara.

Sección de interés personal.

PARA NOVIAS

CAMISONES, ROPONES, BLUSAS, SAYAS, PANTALONES, CORSETS Y SOBRE-CORSETS, AZAHARES, VELOS, GUANTES y toda clase de artículos para canastillas de boda.

Nota.—Para las confecciones de vestidos, véase la tarifa de precios de

LA FASHIONABLE. 119, OBISPO.

C 776 P 15-15 My

MI EMPEÑO.

ES

EL DOS DE MAYO.

Angeles 9, esquina á Estrella.

RELOJES, LEONTINAS de oro y JOYERIA de brillantes, SE REALIZAN á precios módicos, garantizando su buena marcha y calidad.

Se compra plata, oro viejo, brillantes prendas usadas, pagando los mejores precios de plaza.

NICOLAS BLANCO.

C 792 P alt 6-18

CRONICA RELIGIOSA.

DIA 27 DE MAYO

El circular está en Santa Clara.

San Juan I, papa y san Ranulfo, mártires.

De la oración de María Santísima.

El Espíritu Santo llamó á María torlolilla! palabra que explica Virgilio diciendo: La tortolilla es ave solitaria, y designa la virtud unitiva ó de unión de la mente. De aquí fué que la Virgen vivió siempre solitaria en este mundo como en un desierto; que por eso se dijo de ella: ¡Quién es esta que va subiendo por el desierto como una columnita de humo! Sobre cuyas palabras escribió Ruperto abad: Así subiste por el desierto conservando en tu alma la soledad que apetece.

Dice Filon que Dios no habla á las almas sino en la soledad. Y Dios mismo lo declaró por Oseas: La llevaré á la soledad, y le hablaré al corazón. Lo cual obliga á exclamar á San Jerónimo: ¡Oh soledad, en que Dios habla y conversa familiarmente con los suyos! Sí, dice San Bernardo, porque la soledad y el silencio que en ella se goza, impelen al alma á salir con el pensamiento de la tierra y á meditar los bienes del cielo.

DIA 28.

San Justo, San German y San Agustín Cantuariense, obispos y confesores, y San Emilio y compañeros, mártires.

FIESTAS EL LUNES Y MARTES.

Santos Cuarenta.—En la Catedral la de Turcia á las ocho, y en las demás iglesias las de costumbre.

Corte de María.—Dia 27—Corresponde visitar á Ntra. Sra. de Covadonga, en la Merced, y el día 28 á Ntra. Sra. de las Angustias, en San Felipe.

JHS.

Iglesia de Ursulinas

Solemnes festividades religiosas del Jubileo Circular, Santa Angela de Merici y Sacratísimo Corazón de Jesús.

El lunes 28 del corriente principia el Santo Jubileo Circular, se manifestará S. D. M. á las siete de la mañana, en seguida se cantará la misa de Sacramento.

Todos los días habrá misa rezada de 12, y por la tarde á las 5½, rezo del Santo Rosario, la visita, bendición y reserva del Santísimo.

Jueves 31 de Mayo, día de Santa Angela Madre y fundadora de las Ursulinas, se celebrará en primer lugar, con la misa rezada de comunión general para las alumnas internas y externas á las 7 en punto, y con la solemne fiesta, á las 8½ á toda orquesta; cantando la misa el Iltmo. Sr. Dr. D. Juan Bautista Casas, dignísimo Gobernador Eclesiástico y hará el panegírico de la Virgen de Brescia, el Rdo. P. Manuel Rojo de la C. de J.

Hay concedida indulgencia plenaria á los fieles que en este día confiesen, comulguen y visiten la iglesia.

El domingo 3 de Junio tendrá lugar la fiesta del Sagrado Corazón de Jesús, habiendo misa solemne con orquesta á las ocho que cantará el Sr. Canónigo Pbro. D. Juan Alvarez, y sermón por el Pbro. Don Juan A. Escudero, capellán de las Carmelitas. Por la tarde á las seis, se hará la procesión del Santísimo Corpus Christi, por dentro de la iglesia.

La M. R. M. Superiora R. comunidad y su P. Capellán suplican la devota asistencia de los padres de las educandas de estas y fieles en general á los referidos cultos.—Habana, Mayo 26 de 1894.

7061 A. M. D. G. 4-27

Monasterio de Santa Teresa

El domingo próximo se celebrará la solemnidad del "Sanctissimum Corpus Christi." A las 8 habrá Misa solemne con exposición de S. D. M. y Sermón. Por la tarde se hará la procesión solemne del Divinísimo. 7012 1-26A-2-26D

Solemnes fiestas á Nuestra Señora del Sagrado Corazón de Jesús, en la Iglesia de los P.P. Escolapios de Guanabacoa.

El día 24 de mayo se izará la bandera á la hora de costumbre.

El día siguiente, 25, empezará la novena.

Todos los días á las 8 de la mañana habrá misa cantada en el altar de Nuestra Señora del Sagrado Corazón, á continuación los ejercicios de la Novena, concluyendo con el himno.

Los ejercicios del domingo 27, empezarán á las 9.

Día 2 de junio, al oscurecer, se cantará la Gran Salve á toda orquesta.

Día 3 de junio, á las 7 de la mañana, Misa de Comunión, con plática preparatoria por el R. P. Joaquín Isanda, en sufragio del alma de los asociados difuntos.

A las 8 gran fiesta en que hará de Preste el Director de la Asociación y predicará el R. P. Pablo Gené. Gran orquesta y nutrido coro.

Durante la Novena se cantarán misas y composiciones de los mejores autores, y en la fiesta se oirá la grandiosa salve del maestro Eslava, un himno compuesto expresamente por el inspirado maestro Gnecra, la siempre nueva y hermosa misa de González profesor de música, que fué del Real Colegio de las Escuelas Pías de S. Fernando de Madrid y la inspirada Ave María de arpas del Sr. Guerra.

Esperamos que todos los asociados honrarán dichos cultos, ostentando la medalla de la Asociación y que darán especial preferencia al acto importante de la Comunión general.

Se agradecerá cualquiera limosna para ayuda de la fiesta.

Guanabacoa, 19 de mayo de 1894.—P. Muntadas.

6926 9-24

Iglesia de San Felipe Neri

Solemne Triduo que los asociados de Ntra. Señora del Sagrado Corazón de Jesus tributan á tan excelsa Señora.—El viernes y sábado, á las ocho, misa cantada con Su Divina Magestad de manifiesto, y á continuación el Triduo de Ntra. Sra.; por la noche sermón. El domingo comunión general á las siete, y á las ocho y media misa solemne con sermón.

6966 3-25

COMUNICADOS.

Sr. Director del DIARIO DE LA MARINA.

Muy Sr. mío: Suplico á V. la publicación de las siguientes líneas:

Cumplo con un deber de conciencia al hacer público mi agradecimiento al Dr. D. Emilio Martínez por haberme curado á una hija que venía padeciendo del Velo del paladar á causa de la difteria; estuvo padeciendo cuatro meses y en poco tiempo la curó radicalmente; así como á un niño que venía padeciendo de pólipos por espacio de dos años, sin que se lograra alcanzar resultado ninguno. Por lo que no dudo recomendar á los que se hallen padeciendo á dicho Dr. Martínez, así como su desinterés.

Habana y mayo 25 de 1894.—*Eugenio Cuevas.*

7059 1-27

Sociedad Coral y de Recreo

EL GAVILAN.

Sección de Recreo y Adorno.

SECRETARIA.

Esta Sección, autorizada por la Junta Directiva, acordó efectuar el baile de las Flores para el próximo domingo 27 del corriente, exclusivamente para los señores socios, en la que tocará la reputada orquesta de Claudio Martínez. Será requisito indispensable para los señores socios la presentación del recibo del presente mes. Habana mayo 25 de 1894.—El Secretario, *Ricardo Ruiz.* 6898 1a-25 2d-26

ROCA

35, AGUACATE, 35

Como la espuma, viento en popa, creciendo y multiplicándose va la industria de ROCA, el sin rival y único fabricante de suspensorios y guarda camisas higiénicas.

—¡*Aviso á los propietarios!*—Necesito una casa amplia y cómoda, pues la que tengo resulta mezquina para el aumento que he dado á mi giro. Avisen á ROCA de un local á propósito (céntrico) y como me convenga doy un centén de gratificación.

Gracias á los habaneros
Y á mis dotes especiales
Yo vendo mis sin rivales
Suspensorios y bragueros.

7089 1-27

CENTRO GALLEGO

SECCION DE RECREO Y ADORNO.

SECRETARÍA.

Competentemente autorizada esta Sección, se hace público por este medio, que el tradicional BAILE DE LAS FLORES con que este Centro acostumbra obsequiar á sus asociados, tendrá lugar la noche del domingo 27 del corriente, abriéndose las puertas del local á las 8 en punto de la misma y principiando aquel á las 9.

Para el acceso al local es requisito indispensable exhibir á la entrada el recibo del corriente mes, debiendo advertirse que los concurrentes están en el ineludible deber de exhibirle á los comisionados del orden interior, siempre que así se lo interesen, los documentos que les hubieran servido para su entrada.

Habana, Mayo 23 de 1894.—El Secretario, *Félix Pérez Chozo.* c 812 4-24

Sres. Ernesto A. Betancourt, E. Aguilera y Cp. y D. Pedro Sueiras, agentes, respectivamente, de las Compañías de Seguros "National Prusiana," "Hamburgo & Bremen," "Phoenix" y "Manchester."

Habana, Mayo 15 de 1894.

Muy señores míos y de mi mayor consideración: tengo mucho gusto en manifestarles que he quedado sumamente complacido por la rapidez y equidad con que me han satisfecho ustedes el importe de los daños sufridos por las existencias de mi almacén de peletería "La Regenta," situado en la casa calle de San Ignacio número 78, por el fuego ocurrido en dicho edificio el día 24 de Abril último, cuyo establecimiento estaba asegurado en las Compañías que ustedes dignamente representan en esta plaza, y les autorizo por la presente para que den ustedes á esta casa la publicidad que crean conveniente.

Soy de ustedes atto. y S. S. Q. SS. MM. B., *Gumersindo Martínez.* c 803 8-20

SORTEO 1474

N. 21034. . . . $5000

VENDIDO POR

LOS CUATRO HERMANOS

Plaza del Vapor n. 6

Y LOS DOS HERMANOS

Plaza del Vapor números 13 y 25.

7067 2d-27 1a-28

Ofelia.

Hija de mi alma: hoy se cumple un mes que dejaste para siempre, á este desventurado padre, sumido en el más profundo dolor, perdida toda esperanza de que jamás se refleje en mi corazón aquella alegría que tu encantadora presencia iluminaba mi espíritu, que por algunas veces se nublaba y al lado tuyo, OFELIA todo lo veía placentero y se borraba de mi mente cuantas amarguras se sufren en este valle de lágrimas; OFELIA, por que partiste tan temprano y nos dejaste á todos, sufriendo este inmenso dolor que no podemos soportar, hoy ya comprendo que tu cariñosa madre te llamó á su lado, y tus angelitos hermanos—todos á [illegible] te vinieron á buscar para que no supo[illegible] [illegible]do tan lleno de miserias frieras en este mun[illegible] [illegible]nas en un mo[illegible] y falsedades! cuantas esperan[illegible] [illegible]ncia mento, las veo destruidas con tu aus[illegible] para siempre: si hija de mi vida ya no tengo aquella Gloria de llevarte en mi compañía; y verte entre todos nosotros, con aquel noble sentimiento de que estaba formado tu tierno corazón

OFELIA de mi alma estás reunida con todos esos seres que te acompañan, tan buenos y nobles, considerados como los ángeles del Paraíso Celestial: con todo está cercano el día que les acompañe esta tu padre que sufre la desventura del vacío que por todos lados mira á su lado.

Adios Ofelia

tu desconsolado padre.

B. G. M.

7103 1-27

RENOVADOR

DE

LA REINA.

(Marca registrada y depositada.)

Verdadero y único específico, conocido con este nombre, que cura *elasma ó ahogo, dolores y opresión de pecho, tos perfinaz aguda ó crónica* y en general toda afección de *los bronquios y los pulmones.* Jamás se descompone ni altera en ningun tiempo.

Rechácense imitaciones empíricas y mal olientes.

De venta en todas las Farmacias y Droguerías de la Isla de Cuba al precio de *sesenta centavos* el frasco.

Prepárase en la Farmacia "La Reina," situada enfrente de la Plaza del Vapor de esta ciudad.

C 726 alt 4-6 My

SORTEO 1,474.

18875 en $ 10000

Vendí lo parte en el tan afortunado baratillo

SAN RAFAEL ARCANGEL.

Mercado de Colón ns. 33 y 36, por Monserrate y Trocadero, frente á Tejadillo, por Fernando Bujan.

7086 8a-26 3d-27

DR. GALVEZ GUILLEM

Impotencia. Pérdidas seminales. Esterilidad. Venereo y Sífilis.

9 á 10, 1 á 4 y 7 á 8.

O'REILLY, 106.

C 707 16-4 My

$5,000.

N. 21034.

En el baratillo

LA TORRE EIFFEL.

Luz esquina á Compostela, en los portales de la peletería La Física Moderna, se ha vendido medio billete de dicho número.

Eduardo Agüero.

7099 2d 27 2a-28

A LOS CONSUMIDORES DEL AGUA APOLLINARIS.—*La Reina de las aguas de mesa.*—Por orden de la Apollinaris Compañía Ltd. Londres, avisamos á los consumidores del AGUA APOLLINARIS que solamente garantizamos la buena calidad de esta agua si vierte en botellas con etiquetas amarillas y con inscripción en castellano.

Todas las botellas que tengan etiquetas que *no* sean *amarillas* y con inscripción que *no* sea en *castellano*, no son importadas por nosotros y por lo tanto no garantizamos su calidad y su origen.

Habana 5 de mayo de 1894.—*Leonhardt y Comp., únicos importadores del AGUA APOLLINARIS.*

Mercaderes 7.—Apartado 68.

C 708 alt 12-4 My

MILAGROS SON.

(Y si no son lo parecen.)

Así lo asegura el vulgo y lo confirman á voz en grito miles de personas á quienes volvió á la vida el uso del prodigioso RENOVADOR de A. GOMEZ, único y solo remedio en el mundo para curar radicalmente el ASMA O AHOGO, empezando por instantaneo alivio y terminando por su completa curación para los CATARROS CRONICOS Y NUEVOS, TISIS INCIPIENTE, SUSPENSION MENSTRUAL, enfermedades del estómago y de la sangre, raquitismo y escrófulas de los niños, &c.

Lo prepara el Ldo. D. F. Marrero y se expende en la calle de Aguacate n. 22 y en todas las Droguerías.

El enfermo que dude de la incomparable virtud curativa de este maravilloso específico, vaya por cuatro cucharadas que se dan á probar, grátis, á la calle de Aguacate n. 22. 6729 alt 6-20

SORTEO 1474

18875.....$10000

VENDIDO POR

SALMONTE Y DOPAZO

CASA DE CAMBIO.

OBISPO 21.

C 819 3a-26 3d-27

SORTEO N. 1,474

18276—$50000

Vendido por

RAMON VIVAS.

MURALLA 13.

C 820 5a-26 5d-27

ANUNCIOS.

SUCEDIA

antes de la introducción de la Emulsión de Scott, que muchas personas sucumbían á tan terrible enfermedad, la Tisis, porque preferían morir á tomar el aceite de hígado de bacalao simple. Las cosas han cambiado por completo y ahora el aceite de hígado de bacalao en la forma en que lo presenta la Emulsión de Scott es una medicina agradable y que tanto los niños como los adultos toleran sin dificultad. Exíjase la legítima

EMULSION DE SCOTT.

(Marca Registrada.)

C.V.N.E.

Rioja Clarete

Manuel Muñoz

MERCADERES 34, Habana

Manuel Muñoz y Cª, Mercaderes, 34.

C 681 78-1º My

VINO

DE

HEMOGLOBINA

DEL

Dr. JOHNSON.

PREPARADO

CON EL PRINCIPIO FERRUGINOSO NATURAL DE LA SANGRE.

CURACION RAPIDA Y SEGURA DE LA ANEMIA.

Indispensable en la convalecencia de las fiebres palúdicas y fiebre tifoidea.

DE VENTA:

Droguería y Farmacia del Dr. Johnson.

OBISPO 53.—HABAFA.

C 681 1-My

GALERIA FOTOGRAFICA Y TALLER DE PINTURA

DE

S. GELABERT Y HERMANO.

63, O'REILLY, 63,

RETRATOS PARIS, GRAN MODELO.

O'Reilly 63, entre Aguacate y Villegas, frente al depósito de máquinas y bicicletas de Vidal, Graña y Comp.

C 216 alt 39 ayd-28F

JARABE PECTORAL CALMANTE

DE BREA, CODEINA Y TOLU.

PREPARADO POR EDUARDO PALU, FARMACEUTICO DE PARIS

Este jarabe es el mejor de los pectorales conocidos, pues estando compuesto de los balsámicos por excelencia la BREA y el TOLU, asociados á la CODEINA, no expone á los enfermos á sufrir congestiones de la cabeza como sucede con los otros calmantes. Sirve para combatir los catarros agudos y crónicos, haciendo desaparecer con bastante prontitud la bronquitis más intensa; en el asma sobre todo este jarabe será un agente poderoso para calmar la irritabilidad nerviosa y disminuir la expectoración.

En las personas de avanzada edad el JARABE PECTORAL CALMANTE dará un resultado maravilloso, disminuyendo la secreción bronquial y el cansancio.

Depósito principal: BOTICA FRANCESA, 62 San Rafael, esquina á Campanario, y en todas las demás Boticas y Droguerías acreditadas de la Isla de Cuba.

C 772 alt 8-15 My

LA SECCION X

CONTINUA CON SUS REGALOS.

El INFANTIL celebrado el **domingo 20**, correspondió al **número 170**, y el del **lunes 21** ha sido premiado con el **83**.

GRANDES ALMACENES DE QUINCALLA Y NOVEDADES.

LA SECCION X.

TELEFONO 673. OBISPO 85 Y 62.

C 701 alt 9 M

Gran Teatro Payret

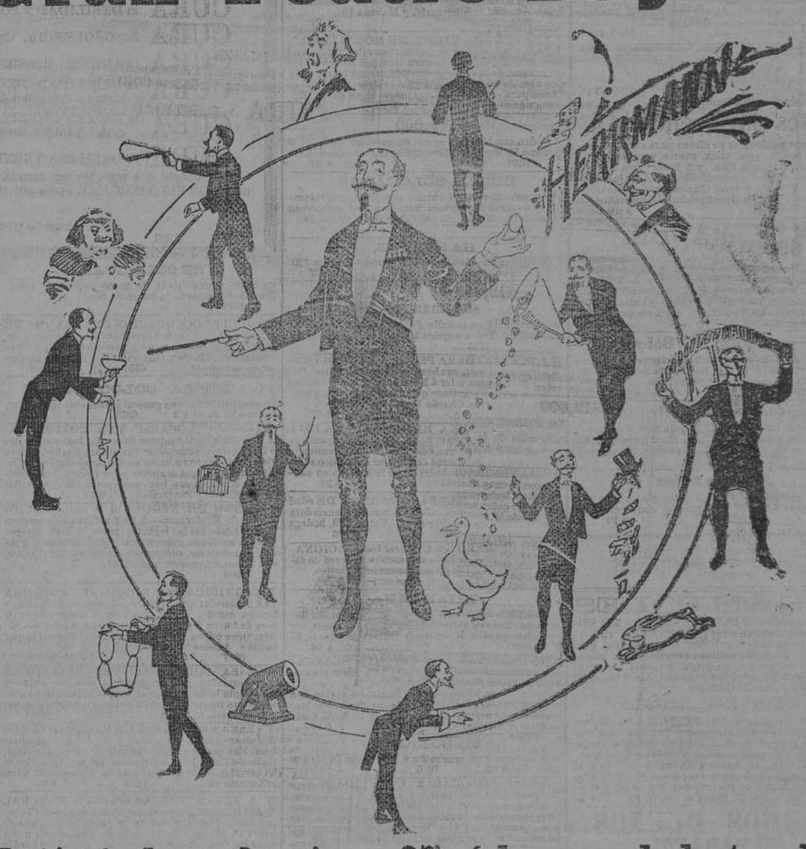

Matinée hoy, domingo 27, á la una de la tarde

Y POR LA NOCHE, HORA DE COSTUMBRE.

El coloso en la prestidigitación. El incomparable, eminente, distinguido y verdadero

Herrmann EL GRANDE

Con un escogido y completamente nuevo programa de actos de

PRESTIDIGITACION, MISTERIOS &.

También se presentará la interesante y simpática

MLLE. ADDIE

CON SU SORPRENDENTE DANZA

maravillosamente adornada con mágicos efectos por la combinación de

14 LUCES DROUMONT

NOTA.—En el MATINÉE de hoy, DOMINGO, los precios de entrada para los niños menores de diez años, será la mitad de los precios asignados para las personas mayores.

c 773 4-14

E. ROMAGUERA, gimnástica y duchas

COMPOSTELA 111 Y 113, ENTRE SOL Y MURALLA.

En este establecimiento encontrará el público por $1.25 al mes, los suficientes aparatos para el desarrollo físico, independientes y potentísimas duchas, y un departamento especial con instalación de todas clases de éstas, ya general, horizontal, escrotal, renal, circular, &c., &c., así como suficientes camarines para los que no quieran desnudarse en la taquilla, pudiendo utilizar de todo esto sin alteración de cuota. Hay una persona idónea para su aplicación. 5957 alt 11-1 My

DESTRUCTOR PALUDICO

DE

OPACUA.

Maravillosas *Píldoras* contra las FIEBRES INTERMITENTES ó CALENTURAS DE FRIO y NEURALGIAS PERIODICAS.

Son azucaradas y curan siempre sin peligro alguno.

De venta en la Droguería LA REUNION, de D. José Sarrá, Teniente Rey, 41.

6634 alt 13-29 A

RIOJA CLARETE

FINO.

R. LOPEZ DE HEREDIA Y COMP.

HARO.

Agentes generales para la Isla de Cuba:

Diego Vega y Cp.

66, COMPOSTELA, 66.

HABANA.

C 752 30-10 My

TRATAMIENTO

DE LAS ENFERMEDADES NERVIOSAS

POR EL JARABE

DE BROMURO DE ESTRONCIO PURO

DEL

DR. M. JOHNSON.

DE VENTA: Droguería de Johnson, Obispo núm. 53.--Habana. C 683 1-MY

ENFERMEDADES DE LAS VIAS URINARIAS.

Licor de Arenaria Rubra

de Eduardo Palú, Farmacéutico de 1ª clase de París.

De todos los medicamentos usados en el día para combatir las enfermedades de las vías urinarias, la ARENARIA RUBRA es la substancia que reune por su composición misma todos los elementos adecuados á un tratamiento racional y eficaz.

Su acción específica en todos los estados morbosos de la vejiga es debida á sus mismos elementos constituyentes, pues no solo contiene ciertos principios resinosos balsámicos y diuréticos, sino también una gran cantidad de sales alcalinas, y sobre todo, de cloruros de potasio y de sodio, estos últimos combinados con

JOSÉ TRUJILLO Y URIAS.

CIRUJANO-DENTISTA.

Su gabinete en Galiano 36, entre Virtudes y Concordia, con todos los adelantos profesionales y con los precios siguientes:

Por una extracción	$ 1.00
" " con cocaina	" 1.50
" limpieza de la dentadura de 1-50 á 2.00	
" empastadura	" 1.50
" cristización	" 2.50
" dentadura, hasta 4 dientes	" 7.50
" " " 6 "	" 10.00
" " " 8 "	" 12.50
" " " 14 "	" 15.00

Estos precios son en oro ó su equivalente en plata, y garantizando los trabajos por un año. Todos los Aux. inclusive los de fuera, de 8 á 5 de la tarde.

Las limpiezas se hacen sin usar ácidos, que tanto corroen el esmalte del diente.

Los interesados deben fijarse bien en este anuncio y no confundirlo con otro. Galiano 36.

C 665 alt 13- 1 My

ENSEÑANZAS.

Clases para señoritas.

Una señora peninsular se ofrece para enseñar á hacer flores de seda, cera, telas, cueros, escamas y pasta, fabricando también ésta, y á hacer toda clase de dibujos con pelo. Vá á domicilio, tanto en la Habana como al Vedado, Cerro, Guanabacoa, etc.

En la Real Casa de Beneficencia informarán.

6386 8-26

SAN RAMON.

Colegio de 1ª y 2ª Enseñanza de 1ª clase situado en la espaciosa casa quinta 7ª 103 esquina á 4. Vedado. Director: D. Manuel Nuñez y Núñez, Ldo. en Filosofía y Letras. Profesor y Perito Mercantil.

Se admiten pupilos, medio pupilos y externos para los cinco años de 2ª Enseñanza. Para los pupilos baños de mar gratis. 7088 10-26

Mme. Adolphine Boisié

y Mr. Alf ed Boissié, profesores franceses, Galiano 130. Para ser atendido más fácilmente por ellos, conviene dirijir órdenes durante el verano.

6936 4-24

Inglés, Español y Alemán.

Se ofrece á los padres de familia para dar clases á domicilio una señora educada en el extranjero. Darán informes en casa del Dr. Francisco Zayas, calle de Manrique 133 7933 26-24My

Gonzalo Nuñez

ofrece sus servicios al público como profesor de piano. Lecciones á domicilio á precios convencionales. Cuba 15. 6874 8-23

LIBROS Y IMPRESOS.

LOS ARBOLES

Y DEMAS VEGETALES DE LA ISLA DE CUBA sus nombres vulgares y científicos, sus propiedades curativas de cada uno, relación minuciosa del gran número de sustancias valiosas que producen, sus aplicaciones á las artes, medicina, industria, construcción civil y naval, maderas preciosas, &c. 2 tomos $1 50 cts. plata. Salud 23, librería.

MEDICINA LEGAL,

jurisprudencia médica y toxicología, por los Doctores Legrand du Saulle, Berryer y Fouchet (obra premiada por el Instituto de Francia), traducida, anotada y aumentada con la legislación médico-legal española etc. por el Dr. Yañez y Núñez, 4 tomos en 4º buenos tipos, $10. Vendajes apósitos y aparatos, anatomía quirúrgica y operaciones, por Goujon, 1 tomo $1. De venta Salud 23, librería. C 822 4 27

LIBROS BUENOS Y BARATOS

de venta en la calle de la Salud n. 23.

Historia Universal por C. Cantú, nueva edición ilustrada con láminas en acero, 10 tomos mayor $15. Historia de la Revolución francesa, por Thiers, 3 tomos con láminas en acero, $10. Historia de España por Lafuente, edición de lujo con magníficas láminas en acero y cromo, 4 tomos mayor, ha costado en publicación más de $140 y se da un ejemplar en $32. Historia de América, 3 tomos con láminas, $5. La Vida de los Animales, historia natural por el Dr. Brench, 6 tomos mayor con más de 2,000 láminas, costó en publicación más de $100, se da en $35. Diccionario de Administración Española, por Alcubilla, 21 tomos, $25. Diccionario de legislación, derecho y jurisprudencia, por Escriche, 4 tomos mayor $20. Los Códigos Españoles concordados y anotados, 12 tomos mayor $10 60. Gran variedad de libros de historia, novelas, medicina, religión, filosofía, etc., á precios muy baratos; se reparten catálogos gratis al que lo solicite. C 821 4-27

ANTES DE HACERSE RICO.—MÉTODO único é infalible para obtener lo que tanto han deseado los hombres desde el principio del mundo hasta nuestros días. De venta á pesata en todas las librerías de la Habana, Matanzas y demás de la Isla.

6868 4-21

PANTEON CONMEMORATIVO.

En el almacén de espejos Muralla 109 están á la venta las láminas del panteon que se ha de erigir á las víctimas de la catástrofe de Santander. Los que quieran tener un recuerdo de tan triste suceso, lo pueden adquirir en dicho establecimiento por poco dinero. 6817 8-18

EL LIBRO DE MONTORO

contiene los principales discursos políticos pronunciados tanto en esta Isla como en el Congreso de los Diputados, desde 1878 á 1893; varios informes sobre las reformas que reclama el país en cuestiones arancelarias, &c.; algunos trabajos jurídicos y una serie de Disertaciones de índole diversa. Comprende el volumen más de 600 páginas, papel de lujo, esmerada impresion y un Prólogo del Sr. D. Ricardo Delmonte.

Se vende en las principales librerías. Los pedidos al por mayor se harán al editor, calle de Aguiar 106 Apartado 861 Habana. C 798 26-20My

CORTES Y COSIDOS.

UNA MAGNIFICA MODISTA PARA TODA clase de vestidos; cuenta con operarias inteligentes y de buen gusto, á precio más módico que en ninguna otra parte se ofrece en la calle de Compostela n. 154. Se da á domicilio si así conviene á las marchantas. 7096 4-27

GRAN TREN DE CANTINAS.—AGUACATE 75 entre Teniente Rey y Muralla, se sirven cantinas á domicilio á $8-50 oro por persona, con una buena y abundante comida á la española y criolla; también admite abonados á $12 75 oro, dando cuatro platos, pan, vino y postres. 7074 4-27

FIJESE BIEN. NOS ENCARGAMOS DE toda clase de trabajos de albañilería, carpintería y pinturas con maestros que garantizan sus trabajos. Proporcionamos trabajadores y operarios para el campo. Agencia Aguiar y Obispo.

6850 4-24

GRAN FABRICA ESPECIAL DE BRAGUEROS,

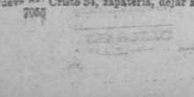

DE H. A. VEGA.

Especialista en aparatos inguinales.

NUEVA INVENCION

Las patelillas de goma blanda, únicas en esta casa. Los aparatos sin BARO no tienen competencia. Las señoras y niñas serán servidas por la señora de Vega.

OBISPO 31 ½.

C 727 alt 12-6 My

EN COMPOSTELA 148

se hordan al pasado cifras en ropa blanca, especialidad en pañuelos para bolsillo. Precios al alcance de todas las fortunas. 6920 4-24

CABELLO RUBIO.

En dos horas por el empleo del Agua Rubio de Venus, es tan inofensivo que se emplea con gran éxito para los niños, mezclado con un poco de agua, quita las manchas de la cara. Vale $1 el pomo.

De venta en Aguiar 100, peluquería y en todas las mejores boticas, perfumerías y sederías de la Isla.

6825 15-19

NUEVA FABRICA ESPECIAL DE BRAGUEROS.

PATENTE GIRALT

36, O'REILLY, 36.

ENTRE CUBA Y AGUIAR.

C 693 alt 1-My

SOLICITAN.

DESEA COLOCARSE UNA SRA. REGULARmente colocada de la Península de mediana edad, de criada de mano, manejadora ó cocinera de una corta familia, teniendo buenas recomendaciones: impondrán calle de Economía núm. 53.

7041 4-27

En Aguiar 69, altos

Se solicitan dos manejadoras de mediana edad, blancas ó de color, una para una niña de 30 meses y limpiar tres habitaciones, y la otra para una niña de 20 meses y lavar los pañales. Sueldo $10 plata y la ropa limpia. 7081 4-27

DESEA COLOCARSE

un joven peninsular de criado de mano, camarero ó porrero; tiene buenas recomendaciones. Informarán calzada del Cerro 533. 7063 4-27

DESEAN ENCONTRAR COLOCACION UN matrimonio sin hijos, ella para criada de mano ó manejadora y el de camarero, cocinero para ambos ó cobrador de cuentas; es inteligente por haberlo desempeñado. Sueldo para ella tres centenes. Se dan garantías. Cuba 18 altos. 7065 4-27

DESEA COLOCARSE

una criada peninsular de mediana edad, para manejadora ó criada de mano. Tiene buenas referencias. Impondrán San Miguel número 62, altos.

7074 4-27

2,000 pesos

se toman con hipoteca de una casa de mamposteria Aguiar 77 esquina á Blanco dejar aviso.

7053 4-27

SE SOLICITA

una criada de 14 á 16 años, que entienda de costura y sea de color. Amistad núm. 154.

7059 4-27

$1,000

se dan con hipoteca hasta en partidas de 500$: calle Nuevo de Cristo 34, zapatería, dejar aviso.

7055 4-27

SOL 72, ALTOS,

se solicita una lavandera que tenga quien la recomiende. 7049 4-27

UN COCINERO PENINSULAR DESEA COlocarse en casa particular ó en establecimiento; sabe cumplir con su obligación: informarán calle de Compostela esquina á Chacón, bodega.

7088 4-27

OCHO POR CIENTO AL AÑO

No se cobra corretaje y se trata con el interesado, cualquiera cantidad por grande ó pequeña que sea, se dá con hipoteca. Concordia 87. 7052 4-27

SE SOLICITA

una pareja de moralidad de 40 á 50 años para acompañar á una señora sola. Concordia 123.

7079 4-27

Dinero en hipoteca y alquileres.

Lo doy en cortas y grandes cantidades hasta 200 mil pesos ó compro varias casas que no excedan de 5,000. Amistad 142; barbería, y Habana 120.

7091 4-27

UNA SEÑORA VIUDA, DE MORALIDAD Y con personas que respondan por ella, desea encontrar una corta familia para acompañar ó hacer los quehaceres de la casa, prefiriendo dormir fuera: tiene una niña de cinco años que va á colegio. O bien se ofrece para cuidar uno ó dos niños en su casa. Estrella número 78. 7092 4-27

$15,000

Se dan con hipoteca hasta en partidas de á $1000 Galiano 59, esquina á Concordia, casa de cambio.

7098 4-27

DESEA COLOCARSE

una excelente criada de mano peninsular, acostumbrada á este servicio y con personas que garanticen su conducta: impondrán callejón del Suspiro n. 16.

7094 4-27

BARBEROS.

Se solicita un oficial que sea bueno. Galiano 129, al lado de la de color. 7088 4-27

$12,000

se toman con hipoteca

sobre una casa en la calle de la Muralla con establecimiento. Reina esquina á Amistad, casa de cambio.

7054 4-27

UNA CRIANDERA PENINSULAR ACLIMAtada en el país, con buena y abundante leche, desea colocarse para criar á leche entera, tiene su niño como de tres meses si tiene quien responda por su conducta. Impondrán Chacón 13.

7062 1a-26 3d-27

SE SOLICITA UNA MUJER BLANCA HIJA del país que no pase de 40 años para ayudar al servicio de mano de una corta familia y que entienda la costura y se conforme con ganar un módico sueldo. Campanario 102 de las 10 de la mañana en adelante. 7061 4-26

UNA JOVEN ISLEÑA DE 26 AÑOS DE edad desea colocarse de criada de mano ó manejadora sabe cumplir con su obligación. Villegas 78, bodega barato razón. 7057 4-26

UN COCINERO DE COLOR DE NACIONALidad francesa solicita colocación en casa de familia ó comercio. Dirigirse á Amargura 10, altos.

7039 4-26

CRIANDERA

Desea colocación una buena, gallega, recién llegada, con buena y abundante leche, muy cariñosa con los niños; para más informes Oficios 15, fonda El Porvenir. 7033 4-26

SE SOLICITAN DOS CRIADAS BLANCAS que no sean del país una para hacer un corto servicio de mano y manejar á un niño; la otra para la limpieza de las habitaciones y fregar los suelos, han de traer buenas recomendaciones, se les da buen trato; sueldo 10 pesos plata y ropa limpia: darán razón calle de San Isidro n. 19. 6991 4-26

SE SOLICITA

una cocinera y un muchacho ó muchacha de 12 á 14 años. Cuba 83 70 6 4 26

DESEA COLOCARSE UNA CRIANDERA

peninsular con buena y abundante leche, para criar á leche entera y dos jóvenes también peninsulares para criadas de mano ó manejadoras, saben cumplir con su obligación y tienen quien responda por su conducta: impondrán calle de la Cárcel n. 15.

7020 4-26

DESEA COLOCARSE UNA JOVEN PENINsular de criada de á leche entera, la que tiene y abundante y con personas que respondan por ella: tiene dos meses y medio de parida y es cariñosa con los niños: impondrán calle del Prado, fonda, números 1 y 3, solar de la Cárcel.

7010 4-26

SE SOLICITA

una criada de mano de la clase de color, que sea de mediana edad para el servicio de una corta familia. San J. de D. 16. 7006 4-26

DESEA COLOCARSE UNA SEÑORA PEnisular de criandera á leche entera, la que tiene buena y abundante: tiene quien responda por su conducta. San Pedro n. 12, fonda La Dominica, darán razón á todas horas. 7024 4-26

UNA SEÑORA PENINSULAR DESEA COlocarse, bien para cria de mano ó para atender á niños, ó acompañar á una señora. En San Rafael número 83, darán razón. 6992 4-26

SE SOLICITA

una criada americana que quiera á Nueva York cuidando dos niños durante el viaje. Zulueta n. 71.

7005 4-26

UN CABALLERO BIEN VERSADO EN TOdos los negocios comerciales, teneduría de libros, correspondencia en inglés, español, alemán y francés, capaz de traducir del italiano, portugués, holandés, sueco y danés, deseando por el mucho desarrollamiento editorial de una de las primeras casas de Nueva-York, desea una colocación sea en el comercio ó en la redacción de un periódico de esta ciudad. Tiene las mejores recomendaciones. Dirigirse á Herman Ritter, Nº 33 W. 31 St., New-York. U. S. A.

7042 4-26

DESEA COLOCARSE

una señora de mediana edad para limpieza de los cuartos, sabe coser en máquina: tiene referencias; en Chacón 12. Impondrán. 6997 4-26

UNA CRIANDERA PENINSULAR JOVEN, sana y robusta, con buena y abundante leche, desea colocarse para criar á leche entera: está aclimatada en el país y tiene tres meses de parida y personas que respondan por ella: impondrán San Pedro n. 6, fonda La Perla, preguntar por Josefa Villamonte. 7036

DESEA COLOCARSE UNA JOVEN PENInsular aclimatada en el país, excelente criandera para criar á leche entera, la que tiene buena y abundante y todas las recomendaciones que se necesiten: impondrán Suárez 16, cuarto n. 3 á todas horas.

7032 4-26

SE SOLICITAN

vendedores ambulantes blancos y de color. Monte 30 de 10 á 11, informarán. 7031 4-26

DESEA COLOCARSE UNA EXCELENTE criandera peninsular de tres meses de parida, con buena y abundante leche: tiene toda clase de recomendaciones en la misma casa donde ha criado los niños que garantizan su conducta. En la misma desea colocarse una criada de mano ó manejadora. Informarán Prado 91. 7029 4-26

DESEA COLOCARSE UN EXCELENTE COcinero de color, aseado y de buenas costumbres, bien sea en casa particular ó establecimiento, aunque sea una fonda en el campo, teniendo personas que respondan de su comportamiento. Impondrán Neptuno 52, esquina á Aguila, carnicería.

6990 4-26

SE SOLICITA

una criada de mano que sepa coser. Prado núm. 70.

6989 4-25

Costurera de modista.

Desea colocarse una costurera en casa particular: sabe cumplir con su obligación tiene quien responda por ella. Teniente Rey n. 36, informarán

7021 4-26

UNA SEÑORA PENINSULAR SOLICITA colocación de manejadora, es cariñosa con los niños: en la misma hay otra que desea acompañar una familia á la Península, prefiriendo que sea para la Coruña: las dos tienen personas que respondan. Calzada del Monte n. 451. 7034 4-26

Un hombre de 40 á 50 años

de edad desea colocarse de portero: entiende algo del trabajo doméstico y cuenta con buenos informes: darán razón Belascoain 17 7015 4-26

SE SOLICITA

una negrita de 15 á 16 años para manejar un niño pequeño y demás quehaceres que se le manden, sueldo un centén y ropa limpia, un negrito para mandados para Empedrado n. 6. 7014 4-26

BARBEROS.

Se solicita un oficial de pocas pretensiones y formal, para el campo: informarán Barbería de Jaime, Dragones. 7013 4-26

DESEA COLOCARSE

una buena cocinera peninsular, aseada y de moralidad en casa de familia respetable: tiene buenos informes de su comportamiento: Puerta Cerrada n. 1 informarán, sueldo 3 centenes y ropa limpia, durmiendo en el acomodo. 7011 4-26

SE SOLICITA

una chiquita para una señora, dándole ropa y comida de 12 á 14 años. Informarán en Prado 91 entresuelos. 7007 4-26

CRIANDERA PENINSULAR

Desea colocarse una á leche entera la que tiene buena y abundante, aclimatada en el país, poco tiempo de parida y cariñosa con los niños. Tiene buenas referencias, baños El Paseje número 2.

7009 4-26

BARBEROS.

Se solicita un operario que sea bueno. Teniente Rey 24. 70 2 4-26

UN TENEDOR DE LIBROS QUE TIENE varias horas desocupadas, desea emplearlas en una casa de comercio ó con un hacendado. Referencias satisfacción. Informarán Inquisidor 24 esquina á Luz, bodega, en La Propaganda Literaria—Teléfono 63. 7030 4-26

DESEA COLOCARSE UN MATRIMONIO peninsular ella de criada de mano ó manejadora, él de portero ó criado de mano y un muchacho de ayudante de cantinas, criado de mano ó otro trabajo: lo mismo se colocan en la Habana que en el campo, tienen quien los garantice. Impondrán Ancha del Norte n. 27, preguntar por Juan Freire.

6989 4-26

CAYETANO PARADELA PUGA, DE ORENse, Coles Penas Salvas, desea saber de sus hermanos Maximino Paradela Pega y Manuel Paradela Pega: dirigirse por escrito inmediatamente á la calzada de Vives 163, Habana. 6960 4-26

DESEA COLOCARSE

un joven de criado de mano de primera, que ha servido en las mejores casas de Europa y América, presenta muy buenas recomendaciones. Informarán Príncipe Alfonso 63, accesoria D.

6971 4-25

DESEA COLOCARSE

una general cocinera peninsular para casa particular ó establecimiento, tiene buenas referencias: informarán Teniente-Rey 14. 6967 4 25

SE SOLICITA

una buena cocinera y una criada de mano que sepan su obligación y que tengan referencias. Luz n. 9.

6984 4 25

SE SOLICITA

una criada de mano en Animas número 91.

6983 4-25

DESEA COLOCARSE

una morenita excelente lavandera y planchadera en casa particular: sabe cumplir con su obligación y es exacta en su trabajo: tiene personas que respondan por ella: impondrán calle de Monserrate n. 71.

6972 4-25

VINO CORDIAL DE CEREBRINA COMPUESTO.

PREPARADO POR ULRICI, QUIMICO,

A BASE DE CEREBRINA Y ACIDO FOSFO-GLICERICO,

sustancias fosfóricas *naturales* extraidas de la masa cerebral y médula espinal de vaca, que poseen poder alimenticio completo sobre el *cerebro* y sistema nervioso *humano*, á los cuales devuelve la *parte fosforada* que se pierde lentamente por las enfermedades, comunicando energía y vitalidad al organismo, regenerando visiblemente al enfermo en pocos días y completando la nutrición cuando es tardía ó lenta, KOLA, COCA, JUGO DE CARNE PEPTONIZADO, ALBUMINATO DE HIERRO Y MAGNESO Y DAMIANA.

En el VIGORIZANTE más poderoso. El RECONSTITUYENTE más rápido y el TONICO VITALIZADOR más enérgico del cuerpo humano y del sistema nervioso. Este vino es un verdadero CORDIAL. Su sabor es agradable. Puede tomarse con toda confianza. Siempre hace bien. Su efecto fortificante es inmediato.

CURA la DEBILIDAD y POSTRACION NERVIOSA producida por insomnio, excesos de trabajos intelectuales y sufrimientos morales.

CURA la SOÑOLENCIA, deseos constantes de dormir, pereza y sueño involuntario. Desvanecimiento, fatiga física y mental.

CURA la ANEMIA, clorosis, jaqueca y neuralgias rebeldes. Ataques de nervios. Menstruación difícil y dolorosa. Flores blancas. Palpitación del corazón.

CURA la DEBILIDAD GENERAL, extenuación, decaimiento, parálisis, temblor y flojedad de las piernas. Enflaquecimiento progresivo. Falta de apetito por atonía ó debilidad del estómago. Dispepsia y diarreas crónicas.

CURA la ESPERMATORREA, pérdidas seminales y de sangre. Tristeza, depresión física y mental. Pérdida de memoria. Incapacidad para estudios y negocios. Vahidos, desmayos.

CURA la DEBILIDAD SEXUAL é impotencia, por abusos de la juventud. Vejez prematura. Debilidad de la médula espinal y convalecencias descuidadas.

El uso de este remedio regenera la sangre, de ahí la rápida mejoría que produce, bastando tomar un solo frasco para sentir alivio y alentar al paciente á continuar usando el VINO CORDIAL hasta obtener la curación completa.

PRECIO: 90 centavos plata el frasco.

Se vende por Sarrá, Lobé, Johnson, Castells, Rovira y Botica San Carlos, San Miguel 103 Habana.

C 731 alt 4-6 My

SE SOLICITAN

un criado y una criada de mano, ambos de color. Muralla 68, altos de la farmacia Santa Ana.

6987 4-25

SOLICITA COLOCACION UNA SEÑORA DE mediana edad, para acompañar á una señora ó señoritas: sabe coser á mano y puede hacer la limpieza de alguna habitación. Aguiar n. 15. Tiene quien responda por ella. 6954 4-25

DESEA COLOCARSE

en casa particular una general lavandera peninsular. Crespo 82 de 11 á 3 6978 4-25

DESEA COLOCARSE UNA COSTURERA. No tiene inconveniente hacer la limpieza de dos ó tres cuartos, acompañar una señora ó señorita para viajar, aunque se embarca no se marea: dará referencias: menos de tres centenes no se coloca. San Lázaro 265. En la misma hay una que desea acompañar una familia á la Península. 6971 4 25

CENTRO DE NEGOCIOS Y COLOCACIOnes de M. Alvarez.—A las familias que necesiten buenos sirvientes les regamos pidan á este antiguo Centro, en donde encontrarán buenos criados y criadas, manejadoras, cocineros y cocineras, muchachos, etc. Piden á Aguacate número 54.

6968 4-25

MAGNIFICA CRIANDERA. UNA SEÑORA peninsular que lleva tres años en el país con su familia, casada, desea colocarse á leche entera en casa de buena familia, de tres meses y medio de parida, tiene buena y abundante leche: informarán por su niño Animas 24 informarán.

6957 1a-24 3d-25

DESEA COLOCARSE UNA CRIANDERA peninsular, aclimatada en el país, con buena y abundante leche, para criar á leche entera, tiene personas que respondan por su conducta: informarán calle del Aguila n. 114 A. 6919 4-24

DESEA COLOCARSE UN EXCELENTE COcinero peninsular acreedor de buenas costumbres, bien sea en establecimiento ó casa particular, tenido de su buena referencia de las casas donde ha servido: impondrán calle de la Concordia núm. 163 cuarto núm. 7 6962 4-24

LA SRA DE NGELA GARCIA, NATURAL de Boiosal, provincia de Cádiz, de apodo (Tabes) desea saber el paradero de su señor hermano de padre D. Manuel. En la calle de Compostela n. 82, altos en esta ciudad informarán. El referido señor pertenecía al Instituto de la Guardia Civil y ignórdose su empleo. Se suplica la reproducción en los periódicos de la Isla. 6929 4-24

UNA SEÑORA DE MORALIDAD Y BUEnos principios desea encontrar una casa de personas decentes para cuidar un niño ó bien para algunos quehaceres de la casa: también cose á mano con toda perfección pero con la condición de que se le admita una niña de 12 años la cual será útil para algo de la casa: dirijirse á Virtudes número 137 altos.

6894 4-24

INTERESANTE.—UN PROFESOR DESEA colocar un niño como de siete años de edad en el campo. Enseñanza sólida y esmerada. Al mes se nota un gran adelanto. Precio módico. Para informar en Amistad 126 el portero. 6934 4 24

AVISO.

Desea colocarse un joven peninsular para criado de mano ó para fregachín de fonda: tiene quien responda por su conducta. Empedrado 69 informarán.

6905 4 24

DESEA COLOCARSE UNA PARDA DE COlor de criada de mano en casa de familia de respeto: sabe cumplir con su obligación y tiene personas que garanticen su buena conducta: informarán calle del Monserrate núm. 48.

6909 4-24

SE SOLICITA

una criada para la limpieza de la casa. Aguila número 78, esquina á San Rafael.

6949 4-24

CRIANDERA

Desea colocarse una peninsular de dos meses de parida á leche entera la que tiene con mucha abundancia y buena y de excelentes cualidades sana y robusta Dragones número 6 darán razón

6942 4-24

COLOCACIONES: SE PROPORCIONAN EN Reina 28 Teléfono 1,577. Ó se cobra colocación. Se compran y venden casas, prendas, muebles y ropa. Se colocan capitales y venden vinos Belaguer á 10, Rioja, á 12, Pureza á 20, Blanco á 25, Moscatel pasas y Jerez seco á 50 cts. botella.

6916 4-24

DESEAN COLOCARSE

dos jóvenes peninsulares, uno de portero ó criado de mano en casa de comercio ó para bombres solos; el otro de cochero ó criado de mano. tiene quien respenda por su conducta: informarán Aguiar n. 82.

6907 4 24

AGENCIA. OFICINAS AGUIAR 69, ESQUINA á Obispo: nos encargamos de la compra y venta de casas, fincas y toda clase de establecimientos, facilitamos con recomendación dependientes, cocineros y sirvientes de ambos sexos.

6933 4-24

UNA CRIANDERA PENINSULAR ACLImatada en el país con buena y abundante le be, desea colocarse para criar á leche entera: tiene personas que respondan por ella: impondrán calle de la Salud 86. 6891 4-24

UN ASIATICO BUEN COCINERO, ASEADO y formal desea colocarse en establecimiento ó casa particular: tiene personas que abonen por su conducta: impondrán calle de Escobar n. 119, entre Reina y Salud. 6901 4-24

DESEA COLOCARSE

de criandera á leche entera de dos meses de parida una joven peninsular, es robusta y tiene leche abundante y personas que respondan por ella: informarán Dragones n. 46. 6890 4-24

SE SOLICITA

un medio operario de sastre que tenga recomendaciones en La América, sastrería y timotería Galiano número 131. 6912 4 24

AGENCIA, AGUIAR ESQUINA A OBISPO. Establecimos demandas y nos encargamos de cuantos asuntos judiciales haya que ventilar en los juzgados municipales y de primera instancia de esta capital contando para ello con abogados y procuradores de reconocido crédito. 6952 4-24

DESEAN COLOCARSE UNA BUENA criandera aclimatada, un cocinero, un criado fino, 2 lavanderas, 2 criadas, 2 costureras y un hombre para cualquier trabajo; presentan referencias. Dirigirse á Teniente-Rey 95, entre Prado y Zulueta.

6944 4-24

DINERO

Se da en hipoteca de casas en grandes y pequeñas cantidades y se venden varias casas. En Perseverancia 46 informan de 8 á 12 y de 4 á 6.

6924 4-24

EN LA CALLE QUINTA N. 21. ESQUINA A Lé del Vedado, se necesitan una cocinera, una lavandera y un criado de mano, que sepan su obligación. 6895 4-24

DESEA COLOCARSE

un peninsular de portero ó sereno. Calle de San Ignacio n. 45, darán razón desde las nueve de la mañana hasta las dos de la tarde 6913 4-24

DESEA COLOCARSE

una criandera á leche entera, la que tiene buena y abundante leche y personas que respondan por ella. Impondrán Refugio n. 3. 6946 4-24

HABANA 96.

Se solicita una buena modista que sepa adornar.

6913 4-24

SE SOLICITA UN SOCIO PARA UNA TABAquería y otros negocios, que tenga de 200 á $3 0 pues hay mes que se ganan 200. Y en la misma se venden canarios, jilguetos á 2 y $3, y se desea un aprendiz de tabaquero. Oficios 21, informarán

6935 4-24

UN FARMACEUTICO SOLICITA UNA REgencia en esta ciudad Posee bastante práctica y no tiene inconveniente dedicar algunas horas al día á la atención de la Farmacia. Informarán en la Farmacia y Droguería de los Sres. Cuesta y Hno., San Rafael 29. 6708 8-20

COMPRAS.

SE COMPRAN

uno, dos ó tres molinos de viento usados y en buen estado. Para informes dirigirse á la ferretería de Luz. Oficios 35. 7046 8-27

SE COMPRAN

tanques de hierro de uso de 12 á 20 pipas ó más. Dan razón Figuras n. 68. 70 8 4-27

SEÑORES DUEÑOS DE CASAS.—SE DEsean comprar de esquinas, una de 5 á 6,000 pesos y otra de 8 á 9.000 pesos. Además tres casas de 1,500 á 3,000 pesos. Informes M. Alvarez. Aguacate n. 54 entre O'Reilly y Empedrado.

6970 4 25

PERDIDAS.

PERDIDA. SE HA EXTRAVIADO DE LA la casa Villegas 65, manzana comprendida entre las calles de Obrapía, Aguacate y Obispo, un gato barcino de la raza común que entiende por Pirulí; el que lo entregue en dicha casa se le gratificará con un centén. 6794 6-22

ALQUILERES.

Una hermosa habitación alta, á una cuadra de los Parques; se cede amueblada y con todo el servicio necesario y gas, en onza y media oro. Ha de ser á persona de mucha moralidad, S. Rafael n. 14. No es casa de huéspedes. 7064 6-27

SE ALQUILA

un espacioso salón con piso de mármol y cielo raso, balcón á la calle, entrada libre á todas horas; es propio para una sociedad ó bufete. Galiano 129.

7068 4-27

IMPORTANTE AVISO.

En mi gabinete masoterápico, Galiano 103, curo con mi BALSAMO NEURICO SEDANTE los reumatismos y neuralgias en quince minutos; y las DISPEPSIAS, DIARREAS y varias manifestaciones del histérico en una semana.

A las señoras les practicará el Masaje una entendida persona de su sexo bajo mi extricta dirección; y á los enfermos que no puedan venir al gabinete, se les facilitará el bálsamo con su instrucción competente, abonando solo el precio de la consulta bien detallada que hagan por escrito de la enfermedad que padezcan.

Habana 1º marzo 1º de 1894.—*Miguel Gordillo.* C 730 alt 4-6 My

BAÑOS ARTIFICIALES DE S. DIEGO.

Los enfermos reumáticos y herpéticos que por su pobreza y por no abandonar su familia, ni su destino ó colocación, no pueden ir á tomar los baños naturales de San Diego, se curarán perfectamente como lo tiene comprobado una experiencia de diez años, *con los artificiales* que el Dr. Gordillo prepara en su Balneario, Galiano 103, donde con cincuenta baños que cuestan solamente *veinte pesos plata*, podrán curarse del mismo modo que con los cuarenta que se toman en San Diego; y los enfermos que no puedan venir al establecimiento podrán curarse en su casa comprando los ingredientes para 50 baños con su correspondiente instrucción, por la pequeña cuota de *dos centenes*, cuyos baños podrán tomarlos en cualquier tina sin necesidad de bañadera. C 729 alt 4 6 My

Cuba 39 entre O'Reilly Obispo

En esta espaciosa y ventilada casa se alquilan habitaciones con balcón á la calle y propias para escritorios á hombres solos: también hay interiores con pisos de mosaico y mármol, é inodoros á la americana.

7011 4 27

EN AMISTAD 91

Se alquila un cuarto alto á personas decentes y sin niños con muebles y asistencia si lo desean: pueden comer en la casa si les conviene: también se alquila un zaguan. 7076 4-27

CUARTOS

hermosos y ventilados y con balcón á la calle, se alquilan con ó sin comida, en Trocadero 83, esquina á Blanco. 7069 4-27

SE ALQUILAN

en Sol n. 4 habitaciones altas y bajas á precios módicos, pues se han rebajado de los anteriores, es casa de orden y moralidad; en la planta baja hay un local que se alquila muy barato. 7 70 4-27

SE ALQUILAN

hermosas habitaciones con balcón á la calle, también una sala á matrimonio sin niños ó á caballeros solos. Habana 84 se da comida. Se cambian referencias. Lamparilla 74, esquina á Villegas, altos. 7072 4-27

En casa de familia respetable se alquilan hermosas habitaciones altas, á la brisa, con balcón á la calle y sala, baños, agua y demás comodidades á personas decentes y que den referencias. Zulueta n. 3, frente al Parque Central y Propaganda Literaria.

7073 4-27

SE ALQUILAN

dos hermosos cuartos altos á matrimonio sin niños y un cuarto bajo á hombres solos. Economía n. 18.

7045 4-27

SE ALQUILA EN QUINCE CENTENES la espaciosa casa Empedrado n. 20, compuesta de sala, comedor, 8 habitaciones, patio etc. Tiene agua; en la misma está la llave: impondrá Juan Azcue, teatro Albisu. 7077 4-27

Compostela 150 y Paula 52, se alquilan habitaciones altas y bajas, con vista y balcón á la calle, como son sala, salón altos y bajos, habitaciones interiores, desde un centén á tres, con servicio gas, según convenga: hay baño. 7097 4 27

Se alquila un cuarto alto con balcón á la calle, independiente, á hombres solos ó matrimonio sin hijos: es de moralidad: se da llavín. En la misma se solicita una señora de edad, prestar un servicio á alguna familia para Cádiz, por solo el pasaje: no se mantiene, ha sido camarera. Calle del Aguila 76, entre San Rafael y San Miguel. 7063 4 27

VEDADO.

Se alquilan habitaciones á caballeros solos en la hermosa *Quinta de Flores Dulces*, con muebles ó sin ellos, con vista al mar, siempre bañadas por la brisa.

7090 4-27

En Aguiar n. 70, inmediato á los carritos se alquila una sala bastante capaz para un bufete de abogado ó una oficina ó cosa análoga: en la misma casa impondrán, se da razón de varias habitaciones en el Vedado. 7095 4-27

Se alquila la espaciosa casa Riela 66 y 68: también se alquilan solamente los bajos independientes de la parte alta, muy propios para comisionistas ó cualquier establecimiento: informarán en los altos de la misma casa. 8 24

Gran oportunidad.—Se alquila la casa calle de O'Neptuno n. 88, propia para toda clase de establecimiento: tiene armatostes, vidrieras á la calle, instalación de gas y luz eléctrica y piso de mármol. Para su ajuste en la misma á todas horas en Sol 44 peletería La Barata. 7035 5d-26 8a 26

En la calle de Fomento número 2, esquina á Municipio en Jesús del Monte, se alquilan unos espaciosos y muy frescos altos, capaces para una regular familia, compuestos de 4 cuartos, sala, comedor, cocina, gas, baño y agua; á una cuadra de los carritos, por muy buena calle. En los bajos de la misma informarán. 7040 4-26

SE ALQUILA

la casa de alto y bajo Maurique 23, propia para corta familia, en $30 oro al mes y fiador. Está cerca de los baños de mar. La llave en la bodega de la esquina. Impondrán Muralla 27, altos. 6995 4 6

Vedado.—Se alquilan cuatro casas, dos de ellas acabadas de fabricar á la moderna y en el punto más pintoresco y sano de la loma, calle 2 esquina á 13, y las otras dos 13 entre 2 y 4. Informarán 13 entre 2 y Paseo. 6994 8-26

En muy módico precio se alquilan dos habitaciones altas con vista á la calle ó sin ella, con piso de mosaico y llave de agua, á un matrimonio sin niños ó señoras de moralidad: informarán Damas n. 78

7003 4-26

SE ALQUILA

un hermoso y ventilado salón con balcón corrido á la calle, propio para bufete ó escritorio. En la misma Cuba número 60 en O-Reilly y Empedrado, altos impondrán. 7008 4-26

VEDADO.

Se alquilan, calle 5ª número 34 y F número 6: la primera compuesta de sala, comedor, cinco cuartos, cocina, cuarto para criado, agua y portal; y la segunda con cinco grandes habitaciones, cocina y cuarto para criado, con un hermoso solar cercado, á una cuadra de los baños. La llave del n. 34 al lado, y la del n. 6 en la bodega. Informarán en Amargura 76.

7057 8-26

Se alquilan los espléndidos altos de la casa Aguila número 121, entre San Rafael y San José, con zaguán independiente y comodidades para una extensa y acomodada familia. En los bajos está la llave é informarán de las once en adelante.

7025 4-26

San Rafael número 74.—Se alquila esta hermosa casa de tres ventanas, zaguán con reja, 8 habitaciones, baño, caballeriza, mármoles, mosaicos, etc., propia para larga familia. La llave en el 71: el dueño en Jesús del Monte n. 292, por las mañanas y después de las cuatro de la tarde. 7018 4-26

64 pesos se alquila la hermosa casa de dos ventanas y zaguán, Gervasio n. 149, entre Reina y Estrella, á media cuadra de Reina, con frescos salones altos, agua, cloaca, sala de mármol y demás comodidades: informan Reina número 118.

6984 4-25

NEPTUNO N. 207

Se alquila un buen local, propio para tren de coches ó otra cosa análoga. En la misma informarán.

6988 4-25

SE ALQUILA

la bonita casa Castillo n. 13

6986 4-25

SE ALQUILA

la fresca casa San Isidro 38.

6985 4-25

Se alquilan esp